(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

# बुद्ध का संदेश

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

गुरुवार, 16 सितंबर 2021 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 08 अंकः 271 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/—रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

मनी हीस्ट को मिस कर...8

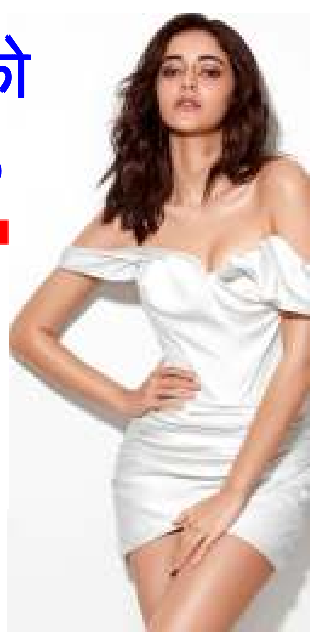

## गुजरात में बाढ़ का कहर! राजकोट, जामनगर और जूनागढ़ में भारी बारिश, सीएम ने लिया हालात का जायजा

अहमदाबाद। गुजरात के राजकोट और जामनगर जिलों में पिछले 24 घंटे के दौरान भारी बारिश हुई और बाढ़ में फंसे हुए 200 से अधिक लोगों को बचाया गया जबकि दोनों जिलों में सात हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नवनियुक्त मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मंगलवार को जामनगर जिले के प्रभावित इलाकों का दौरा किया और बाढ़ प्रभावित लोगों को मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि बाढ़ के कारण जामनगर में एक राष्ट्रीय राजमार्ग के अलावा सौराष्ट्र क्षेत्र के राजकोट, जामनगर और जूनागढ़ जिलों से गुजरने वाले 18 राज्य राजमार्ग बंद कर दिए गए, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। उन्होंने बताया कि भारी बारिश के बाद कई गांवों का संपर्क सड़कों से टूट गया है। अधिकारियों ने बताया कि फोफल नदी पर बना हुआ एक पुल गिर गया, जिससे राजकोट जिले में जाम कंडोरना और गोंडल को जोड़ने वाली सड़क बंद हो गई। राजकोट और जामनगर में रातभर बारिश के बाद मंगलवार को दोनों जिलों में बारिश कुछ कम हुई, जबकि पड़ोसी जूनागढ़ जिले में दिन में भारी बारिश हुई। अधिकारियों के अनुसार भारी बारिश से बुरी तरह प्रभावित दोनों जिलों में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीमों की ओर से चलाए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों में मदद के लिए भारतीय वायु सेना (आईएएफ), नौसेना और तटरक्षक बल को बुलाया गया। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) ने एक ताजा बुलेटिन कहा कि राजकोट के लोधिका तालुका में मंगलवार सुबह छह बजे समाप्त 24 घंटे की अवधि के दौरान राज्य में सबसे अधिक 516 मिलीमीटर (मिमी) बारिश हुई। एसईओसी ने कहा कि सौराष्ट्र के जूनागढ़ जिले के विसावदर तालुका में 468 मिमी बारिश हुई, जबकि जामनगर के कलावाड़ में 406 मिमी, राजकोट तालुका में 325 मिमी और राजकोट के धोराजी में 250 मिमी बारिश हुई। एसईओसी ने कहा कि मंगलवार को जूनागढ़ जिले के मंगरोल तालुका में सुबह छह बजे के बाद केवल चार घंटे में 151 मिमी बारिश हुई, जबकि जूनागढ़ के केशोद तालुका में 108 मिमी बारिश हुई। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टरों ने जामनगर जिले के कई स्थानों में फंसे हुए 22 लोगों को बचाया। जिले

में कुल 150 लोगों को बचाया गया। उन्होंने बताया कि वायु सेना ने राजकोट में भी सात ग्रामीणों को बचाया जबकि जिले में कुल 56 लोगों को बचाया गया। राजकोट के जिलाधिकारी अरुण महेश बाबू ने कहा, ''नौसेना की एक टीम सोमवार को राजकोट में पानी के तेज बहाव में कार के बह जाने के बाद लापता हुए दो लोगों की तलाश के लिए अभियान में मदद कर रही है।'' उन्होंने कहा, एसडीआरएफ की दो टीमों को गोंडल और लोधिका तालुका में तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले 1,467 और शहरी क्षेत्रों से 600 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। जामनगर के जिलाधिकारी सौरभ पारध्ी ने कहा कि नौसेना और तटरक्षक बल की टीमों ने भी जामनगर प्रशासन की शहर में 150 से 160 लोगों को बचाने में मदद की क्योंकि स्थानीय बचाव दल जल स्तर में वृद्धि के कारण वहां नहीं पहुंच पाए।

गुजरात में मानसून के मौसम में सामान्य रूप से होने वाली बारिश का इस बार 69.24 प्रतिशत ही हुआ है। एसईओसी के मुताबिक मंगलवार को सुबह छह बजे समाप्त 24 घंटे की अवधि के दौरान मुख्य रूप से सौराष्ट्र क्षेत्र के राजकोट, जामनगर, जूनागढ़, पोरबंदर, गिर सोमनाथ और देवभूमि द्वारका जिलों के 35 तालुकों में 100 मिमी से अधिक बारिश हुई। इसके अलावा दक्षिण गुजरात के वलसाड और नवसारी में भी भारी बारिश हुई। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने दिन में जामनगर का दौरा किया। पटेल ने स्थानीय सांसद पूनम मादम और राज्य के मुख्य सचिव पंकज कुमार के साथ सबसे पहले धुवव गांव का दौरा किया और वहां के लोगों से बात की। मुख्यमंत्री ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए राहत और बचाव कार्यों को लेकर संतोष व्यक्त करते हुए कहा किपूरे जामनगर जिले में 5,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया और 800 से अधिक फंसे हुए लोगों को बचाया गया। मुख्यमंत्री ने कहा, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और वायु सेना द्वारा जामनगर जिले के ग्रामीण इलाकों में 4,760 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है और 144 लोगों को बचाया गया है। इसी तरह जामनगर शहर में 1,146 लोगों को कहीं और स्थानांतरित किया गया, जबकि 724 लोगों को बचाया गया। भोजन के लगभग 10,000पैकेट वितरित किए गए। पटेल ने कहा कि जामनगर जिले के 84 गांवों में बुधवार शाम तक बिजली की आपूर्ति दोबारा शुरू कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, बाढ़ के कारण बड़ी संख्या में पशु भी मारे गए हैं। स्वास्थ्य और स्वच्छता टीमों ने पहले ही जिले में अपना काम शुरू कर दिया है। सरकार नुकसान का सर्वेक्षण करेगी और उसके आधार पर मुआवजे की घोषणा करेगी। एसईओसी की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक गुजरात में इस महीने अब तक 219.2 मिमी बारिश हुई है। अगस्त में 65.3 मिमी, जुलाई में 176.7 मिमी जबकि जून में 120.4 मिमी बारिश हुई थी।

### एमपी में डेंगू से बिगड़ते हालात, शुरू होगा डेंगू से जंग जनता के संगश अभियान

भोपाल। मध्य प्रदेश में डेंगू से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। प्रदेश के कई जिले डेंगू की चपेट में आ चुके हैं। इससे

निपटने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 'डेंगू से जंग जनता के संग' अभियान की भोपाल के नेहरु नगर से शुरुआत कर रहे हैं। आपको बता दें कि इस अभियान में जनता को जोड़कर सप्ताह में एक दिन पानी एकत्रित करने वाली जगह को साफ करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसे लेकर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री प्रभुराम चौधरी ने कहा कि आज से डेंगू को लेकर विशेष अभियान की शुरुआत कर रहे हैं। दरअसल'डेंगू से जंग जनता के संग' जागरूकता महाअभियान भोपाल से शुरू कर रहे हैं। इसमें जनता को जागरूक किया जाएगा। ज्यादा दिन तक पानी इकट्ठा हो जाता है उसको नष्ट करने का काम किया जाएगा। इसके साथ साथ छिड़काव और फॉगिंग का काम भी किया जाएगा। और जनप्रतिनिधि मोहल्ले और वार्ड में जाकर लोगों को जागरुक करने का काम करेंगे। फिलहाल प्रदेश में डेंगू ने 2500 का आंकड़ा पार कर लिया है। वहीं भोपाल में 24 घंटे में मिले 9 मरीज के साथ आंकड़ा 203 के पार हो गया है। इस खतरनाक वायरस से प्रदेश में कई लोगों की मौत हो चुकी है।

## एससीओ शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई करेंगे पीएम मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में 17 सितंबर को होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की वार्षिक शिखर बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का डिजिटल माध्यम से नेतृत्व करेंगे। विदेश मंत्रालय ने बुध्वार को यह जानकारी दी। विदेश मंत्री एस जयशंकर एससीओ बैठकों के लिए दुशांबे जाएंगे। एससीओ की बैठकों में अफगान संकट, इसके आंतरिक और बाहरी असर पर विस्तार से चर्चा होने की संभावना है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने यह बताया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''एससीओ परिषद के सदस्य देशों के प्रमुखों की 21वीं बैठक हाइब्रिड प्रारूप में दुशांबे में 17 सितंबर को होगी। ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमाली रहमान बैठक की अध्यक्षता करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे और वीडियो लिंक के जरिए शिखर सम्मेलन

के पूर्ण सत्र को संबोधित करेंगे। दुशांबे में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री एस जयशंकर करेंगे।'' मंत्रालय के अनुसार, एससीओ की शिखर बैठक में सदस्य देशों के नेताओं के अलावा पर्यवेक्षक देश, संगठन के महासचिव, एससीओ क्षेत्रीय आतंकवाद निरोधक ढांचा के कार्यकारी निदेशक, तुर्कमेनिस्तान के राष्ट्रपति एवं अन्य आमंत्रित अतिथि शामिल होंगे। दुशांबे में जयशंकर एससीओ के सदस्य देशों के प्रमुखों की अफगानिस्तान पर एक बैठक में शामिल होंगे। बयान में कहा गया है कि पहली बार एससीओ की शिखर बैठक हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित की जा रही है और यह चौथी शिखर बैठक है जिसमें भारत एससीओ के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में हिस्सा ले रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ''इस बैठक का महत्व इसलिये भी बढ़ जाता है क्योंकि संगठन इस वर्ष अपनी स्थापना की 20वीं वर्षगांठ मना रहा है। इस शिखर बैठक में नेताओं द्वारा पिछले दो दशकों में संगठन की गतिविधियों की समीक्षा करने और भविष्य में सहयोग की संभावना पर चर्चा किये जाने की उम्मीद है।'' उसने बताया कि बैठक में क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर भी चर्चा किये जाने की उम्मीद है। जयशंकर के दुशांबे में ईरान और ताजिकिस्तान समेत अन्य देशों के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की भी संभावना है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी, रूस के विदेश मंत्री सर्गेइ लावरोव, ईरान के विदेश मंत्री हुसैन आमिर अब्दुल्लाहियान और पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी के एससीओ बैठकों के लिए दुशांबे आने की संभावना है। इस महीने के शुरु में जयशंकर ने ईरान में नव नियुक्त विदेश मंत्री से बात की थी तथा द्विपक्षीय मुद्दों के साथ अफगानिस्तान में स्थिति पर भी चर्चा की थी। भारत और पाकिस्तान 2017 में एससीओ के स्थायी सदस्य बने थे। एससीओ की स्थापना रूस, चीन, किर्गिजस्तान, कजाखस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने 2001 में शंघाई में एक सम्मेलन में की थी। भारत ने एससीओ के साथ सुरक्षा संबंधी सहयोग और उसके क्षेत्रीय आतंकवाद रोधी ढांचे को बढ़ाने में खासी दिलचस्पी दिखायी है।

### मंत्रिमंडल ने दूरसंचार क्षेत्र में बड़े सुधारों को मंजूरी दी, 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति

नयी दिल्ली। सरकार ने बुधवार को दूरसंचार क्षेत्र में बड़े सुधारों की घोषणा की। इसके तहत दूरसंचार क्षेत्र के लिये राहत पैकेज को मंजूरी देने के साथ स्वतरू मंजूर मार्ग

से 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) की अनुमति दी गयी है। राहत पैकेज में दूरसंचार कंपनियों के ऊपर सांविधिक बकाये के भुगतान पर चार साल के लिये रोक यानी मोहलत दी गयी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक के बाद निर्णय की जानकारी देते हुए दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि दूरसंचार क्षेत्र के लिये नौ संरचनात्मक सुधारों को मंजूरी दी गयी है। सकल समायोजित राजस्व (एजीआर) की परिको युक्तिसंगत बनाते हुए इसमें से दूरसंचार क्षेत्र से इतर होने वाली आय को हटा दिया गया है। दूरसंचार क्षेत्र में दबाव का एक प्रमुख कारण एजीआर का मुद्दा था। मंत्री ने कहा कि मंत्रिमंडल ने स्वतरू मंजूर मार्ग से 100 प्रतिशत एफडीआई की भी अनुमति दी है। उन्होंने कहा कि अन्य उपायों में बकाया, एजीआर और स्पेक्ट्रम बकाया भुगतान पर चार साल की मोहलत शामिल हैं। इन उपायों से दूरसंचार क्षेत्र में कुछ कंपनियों के समक्ष उत्पन्न नकदी की समस्या दूर होगी।

### मैं बाकी विचारधाराओं के साथ कोई ना कोई समझौता कर सकता हूं पर भाजपा और आरएसएस के साथ कभी नहीं: राहुल गांधी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज दिल्ली में एक बार फिर से भाजपा और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा है। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस के स्थापना दिवस पर एक

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मैं बाकी विचारधारों के साथ कोई न कोई समझौता कर सकता हूं, मगर मैं आरएसएस और बीजेपी की विचारधारा के साथ कभी समझौता नहीं कर सकता। राहुल गांधी कहा कि वो(भाजपा) अपने आप को हिन्दू पार्टी कहते हैं और पूरे देश में लक्ष्मी और दुर्गा पर आक्रमण करते हैं। जहां ये जाते हैं, कहीं लक्ष्मी को मारते हैं, कहीं दुर्गा को मारते हैं। घ्ये हिन्दू धर्म का प्रयोग करते हैं, ये धर्म की दलाली करते हैं। मगर ये हिन्दू नहीं हैं। इस अवसर पर वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने अखिल भारतीय महिला कांग्रेस के नए प्रतीक चिन्ह और नए झंडे का भी अनावरण किया। इससे पहले अखिल भारतीय महिला कांग्रेस ने ट्वीट कर राहुल गांधी और महिला कांग्रेस का नया लोगो पोस्ट किया था।

### दूसरे राज्य के लोगों के लिए रजिस्टर रखने पर महाराष्ट्र में बवाल, बीजेपी ने आदेश को समाज को तोड़ने वाला बताया

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के दूसरे राज्यों से आने वालों का ब्यौरा रजिस्टर रखने के निर्देश पर सियासत तेज हो गई है। सीएम उद्धव ठाकरे के इस निर्देश पर बीजेपी हमलावर हो गई है। बीजेपी विधायक अतुल भातकलकर ने महाराष्ट्र सीएम के इस बयान को समाज को तोड़ने वाला बताया है। उन्होंने पुलिस में सीएम उद्धव ठाकरे के खिलाफ शिकायत भी दर्ज करवाने की बात कही है। बीजेपी के आरोपों पर शिवसेना ने भी पलटवार किया है। शिवसेना के प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने सीएम उद्धव ठाकरे के बायन का बचाव करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने किसी राज्य, जाति, धर्म का नाम नहीं लिया है। मुंबई एक अंतरराष्ट्रीय दर्ज का शहर है ऐसे में मुख्यमंत्री ने जो कहा है इसमें गलत कुछ भी नहीं है। क्या कहा था उद्धव ठाकरे ने : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सोमवार को जोर देकर कहा कि महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपायों में किसी प्रकार कासमझौता नहीं किया जायेगा। ठाकरे ने साकीनाका उपनगर में एक महिला के साथ बलात्कार और उसकी हत्या की पृष्ठभूमि में कहा कि दूसरे राज्यों से आने वाले लोगों का रिकॉर्ड होना चाहिए। गौरतलब है कि इससे पहले एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे भी इस तरह की मांग कर चुके हैं।

### एनसीआरबी के मुताबिक आदिवासियों और बच्चों के उत्पीड़न के मामलों में एमपी हैं पहले पायदान पर

भोपाल। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार देश भर में आदिवासियों के उत्पीड़न में मध्य प्रदेश पहले नंबर पर है। एनसीआरबी के साल 2020 के सामने आए डाटा में इसका खुलासा हुआ है। प्रदेश में 2019 की तुलना में साल 2020 में 20: मामले बढ़ गए हैं।बताया जा रहा है कि अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के मध्यप्रदेश में 2401 मामले दर्ज हुए हैं। इन आंकड़ों को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सूबे की शिवराज सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पिछले 1 साल में20 फीसदी आदिवासियों पर अत्याचार बढ़े हैं। बाल अपराध, मासूमों के साथ दुष्कर्म में भी

एमपी पहले पायदान पर है। कमलनाथ ने ट्वीट कर कहा, "एनसीआरबी के वर्ष 2020 के आँकड़ो में मध्यप्रदेश आदिवासियों के उत्पीड़न में शीर्ष पर , पिछले वर्ष के मुकाबले 20: बढ़े मामले , 2401 मामले दर्ज। बाल अपराध, मासूमों के साथ दुष्कर्म में भी प्रदेश शीर्ष पर, आँकड़ो के मुताबिकध् बच्चों की दृष्टि से प्रदेश असुरक्षित। उन्होंने आगे लिखा कि यह है शिवराज सरकार के 16 वर्षों के विकास की तस्वीर। जब से प्रदेश में शिवराज सरकार आयी है आदिवासी , दलित , शोषित वर्ग पर उत्पीड़न व दमन की घटनाएँ बढ़ी है , दुष्कर्म की घटनाएँ रोज घटित हो रही है, अपराधी तत्वों के हौसले बुलंद है, कधनून का कोई खधैफ नही बचा है।"

## गुजरात यदि प्रगति की राह पर था तो मुख्यमंत्री क्यों बदला गया: शिवसेना

मुंबई। शिवसेना ने मंगलवार को कहा कि गुजरात में अचानक नेतृत्व परिवर्तन कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर पहली बार विधायक बने भूपेंद्र पटेल को नया मुख्यमंत्री बनाने के घटनाक्रम ने कामकाज की उस शैली को प्रतिबिंबित किया है जो आम तौर पर कांग्रेस से जुड़घी हुई है।

पार्टी ने साथ ही दावा किया कि ''गुजरात के विकास मॉडल का गुब्बारा बुलबुले की तरह फूट गया है।'' शिवसेना के मुखपत्र सामना में प्रकाशित एक संपादकीय में कहा गया है कि गुजरात के लोग कोविड–19 की दूसरी लहर के दौरान स्वास्थ्य प्रणाली के ''ध्वस्त'' होने पर बेहद गुस्से में थे जब विजय रूपाणी मुख्यमंत्री थे। इसमें कहा गया है कि भाजपा को भी यह एहसास हुआ कि पटेल प्रभावशाली पाटीदार समुदाय से ताल्लुक रखते हैं, यह समुदाय पार्टी से नाराज है जिसके चलते इस पड़ोसी राज्य में शीर्ष स्तर पर यह बदलाव किया गया। भाजपा की पूर्व सहयोगी एवं अब महाराष्ट्र में कांग्रेस और राकांपा के साथ सत्ता साझा कर रही शिवसेना ने चुटकी लेते हुए कहा, ''यही चीज कांग्रेस में भी होती है और हमें इसे लोकतंत्र कहना होगा।'' संपादकीय में दावा किया गया है कि अचानक नेतृत्व परिवर्तन के साथ ही ''लोकतंत्र का, राज–काज व विकास के

गुजरात मॉडल का गुब्बारा किसी बुलबुले की तरह अचानक फट गया है।''

समाचार पत्र के संपादकीय में सवाल किया गया है, ''पटेल पिछले चार साल में मंत्री भी नहीं रहे हैं, लेकिन उन्हें सीधे मुख्यमंत्री बना दिया गया। गुजरात राज्य यदि विकास, प्रगति के मार्ग पर आगे जा रहा था तो इस तरह से रातों–रात मुख्यमंत्री बदलने की नौबत क्यों आयी?'' इसमें कहा गया है, ''जब किसी राज्य को विकास अथवा प्रगति का 'मॉडल' साबित करने के लिए उठापटक की जाती है, तब अचानक नेतृत्व बदलने से लोगों के मन में संदेह पैदा होता है। भूपेंद्र पटेल पर अब गुजरात का भार आ गया है। अगले वर्ष दिसंबरमें विधानसभा चुनाव हैं।

पटेल को आगे रखकर नरेंद्र मोदी को ही लड़ना होगा। जिसे गुजरात मॉडल कहा जा रहा है, वह यही है क्या?'' संपादकीय में लिखा गया है कि पटेल गुजरात की पूर्व मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल के करीबी हैं, जबकि रूपाणी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का समर्थन प्राप्त था। ''गुजरात में कल की राजनीति जितनी उलझनों वाली होगी, उतनी ही रोचक होगी।'' इसमें लिखा है, ''अहमदाबाद के पास स्थित, फोर्ड वाहन बनाने वाली कंपनी सहित कुछ बड़ी कंपनियों ने बोरिया–बिस्तर बांध्ा लिया और हजारों लोगों पर बेरोजगारी का संकट आ गया। पूरे गुजरात में किसान, मजदूर, बेरोजगार युवक आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं जिसका असर चुनाव में होगा। यह भांप कर ही मुख्यमंत्री रूपाणी को हटा कर भूपेंद्र पटेल को नियुक्त किया गया। यह सिर्फ रंगाई–पोताई ही है।'' शिवसेना के मुखपत्र में प्रकाशित संपादकीय में लिखा है, ''कोविड–19 की दूसरी लहर के दौरान गांवों–गांवों में मृतकों की चिताएं जलती रहीं, सरकार बेबस व हताश होकर मृत्यु का तांडव देख रही थी। इसका संताप लोगों में था और है ही।'' संपादकीय में लिखा है, ''चकाचौंध्ा से दूर रहने वालों को सत्ता देना, यही मोदी की राजनीति का तंत्र है। गुजरात में वही हुआ। मोदी ने कई बार अचानक नए चेहरों को मौका दिया है। महाराष्ट्र में भी उन्होंने (2014 के विधानसभा चुनाव के बाद) देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी देकर 'झटका' दिया था।'' संपादकीय में दावा किया गया है कि पटेल गुजरात के पाटीदार समुदाय से आते हैं, जो भाजपा से नाराज है।

# रामनगरी में 'आप' की तिरंगा संकल्प यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

अयोध्या। आम आदमी पार्टी द्वारा रामनगरी अयोध्या में तिरंगा संकल्प यात्रा निकाली गयी। दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, राजसभा संसद संजय सिंह व प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह की अगुवाई में आम आदमी पार्टी की यह तिरंगा संकल्प यात्रा निकाली गई। गुलाबबाड़ी से गांधी पार्क के लिए . निकली आम आदमी पार्टी की तिरंगा संकल्प यात्रा में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने 'राम राज्य' की प्रतिष्ठा का संकल्प दिलाया, तो प्रभु श्री राम के नाम पर राजनीति करने वाली भाजपा को भी जमकर रगड़ा। कहा– पूरे देश में अरविंद केजरीवाल एकमात्र मुख्यमंत्री हैं, जो प्रभु श्रीराम के आदर्शों से प्रेरणा लेकर सरकार चला रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महिला सुरक्षा, कानून व्यवस्था सहित किसानों के मुद्दे पर योगी सरकार को आईना दिखाते हुए सिसोदिया बोले–यूपी में आप की सरकार बनी तो दिल्ली की तरह श्रीराम के आदर्शों का अनुसरण करते हुए अच्छी शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था, रोजगार, महिलाओं की सुरक्षा, कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों पर काम होगा। संतो से मिले विजई भव के आशीर्वाद का उल्लेख करते हुए कहा कि राम सबके हैं, मगर उनके नाम पर राजनीति करने वाली भाजपा के मुंह में राम बगल में छुरी है जबकि हमारे मुंह और दिल में राम तो हाथ में संविधान है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी संजय सिंह के नेतृत्व में निकली तिरंगा यात्रा को संबोधित करते हुए मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा ने वादा किया था कि सरकार बनाते ही गुंडाराज, भ्रष्टाचार खत्म करेंगे, रोजगार देंगे, फसल का दोगुना दाम देंगे, महिलाओं की सुरक्षा के लिए कानून व्यवस्था दुरुस्त करेंगे लेकिन साढ़े चार साल बीतने के बाद जनता ठगा महसूस कर रही है। कहा, भाजपा देश भर के श्रद्धालुओं द्वारा राम मंदिर के नाम पर दिया चंदा खा गई। भाजपाई ना आम के हैं ना राम के हैं। हम इन्हीं मुद्दों पर भाजपा से सवाल करने के लिए तिरंगा लेकर निकले हैं। आगरा और नोएडा के बाद हम प्रभु श्री राम की नगरी अयोध्या में तिरंगे के नीचे उनके आदर्शों के अनुरूप राम राज्य की प्रतिष्ठा के लिए आम आदमी को अच्छे स्कूल, बेहतर अस्पताल, रोजगार और सुरक्षा देने वाली राजनीति का संकल्प लेने आए हैं। दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इसी संकल्प के साथ आम आदमी की जरूरत की राजनीति कर रहे हैं। वह देश के एकमात्र ऐसे मुख्यमंत्री हैं जो प्रभु श्रीराम के आदर्शों का अनुसरण करते हुए आम आदमी की जरूरत से जुड़े मुद्दों पर काम कर रहे हैं। सिसोदिया ने किसानों की बदहाली और ऊपर से प्रदेश में उन पर महंगी बिजली की मार का जिक्र करते हुए दिल्ली की तरह यहां भी 300 यूनिट फ्री बिजली को लोगों का हक बताया। कहा कि लुटेरे, भ्रष्टाचारी और दंगाइयों के साथ खड़ी गुंडाराज वाली भाजपा सरकार को हटाने के संकल्प के साथ हम तिरंगा संकल्प यात्रा निकाल रहे हैं। यात्रा में प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह, प्रदेश सहप्रभारी ब्रज कुमारी सिंह, ब्रजलाल लोधी, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश यादव, प्रदेश महासचिव दिनेश पटेल, महिला विंग के प्रदेश अध्यक्ष नीलम यादव, प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता वैभव माहेश्वरी, प्रदेश प्रवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह, वैभव जायसवाल, सीवाईएसएस के प्रदेश अध्यक्ष बंशराज दुबे, विनय पटेल, तुषार श्रीवास्तव सहित हजारों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

योगी सरकार ने गुंडाराज को दिया बढ़ावा –मनीष सिसोदिया ने कहा कि योगी सरकार ने गुंडाराज को बढ़ावा दिया है। सरकार को हाथरस की बलात्कार पीड़ित बच्ची के परिवार के साथ खड़ा होना था, लेकिन योगी सरकार बलात्कारियों के साथ खड़ी रही। 2 दिन पहले शादी करके आई नाबालिग खुशी दुबे के साथ जो है वह पूरा प्रदेश देख रहा है। बिकरू कांड में गरीब नौकरानी और उसके बच्चों तक को जेल में सड़ाया जा रहा है। रोज अखबारों में यूपी से छोटी–छोटी बच्चियों के साथ बलात्कार की खबरें पढ़ने को मिलती है, मगर महिला सुरक्षा की बात कह कर सरकार में आने वालों को इन्हें पढ़कर शर्म नहीं आती।

फसल तय दाम पर मंडियों में बिकवा कर दिखा दीजिए –सिसोदिया ने किसानों के मुद्दों पर सरकार को घेरा। किसानों की आय दोगुनी करने का वादा करके सरकार में आने वाली भाजपा को कृषि कानूनों के विरोध में नौ महीने से जारी किसान आंदोलन के मुद्दे पर घेरा। कहा कि भाजपा किसानों की आय दुगनी तो नहीं कर पाई लेकिन उन्हें आतंकवादी और खालिस्तानी बता दिया। प्रदेश की मंडियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से कहा कि वह किसी भी मंडी में बिना अपनी पहचान जाहिर किए किसी किसान की फसल तय दाम पर ही बिकवा कर दिखा दें। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर योगी सरकार सिसोदिया के निशाने पर रही। उन्होंने कहा कि योगीराज में पैसा दिए बिना कोई काम नहीं होता।

स्कूल बंद थे तब इस सरकार में बच्चियों के भोजन और स्टेशनरी के नाम पर 9 करोड़ रुपये डकार लिए गए। जल जीवन मिशन से लेकर राम मंदिर के लिए हो रही जमीन खरीद तक भाजपाइयों का पूरा ध्यान सिर्फ और सिर्फ भ्रष्टाचार पर है। सिसोदिया ने यात्रा में मौजूद अपार जनसमूह को देख कर भरोसा जताया कि 2022 में जनता प्रदेश में आम आदमी पार्टी की सरकार बनाएगी। आप की सरकार बनने के बाद किसी भी ऑफिस में कोई भी कर्मचारी रिश्वत नहीं ले पाएगा। घोटालेबाजों की जगह जेल में होगी। अयोध्या जानना चाहती है, पांच मिनट में दो करोड़ की जमीन 18.50 करोड़ की कैसे हुई –यात्रा का नेतृत्व कर रहे राज्यसभा सांसद एवं पार्टी के यूपी प्रभारी संजय सिंह ने कहा कि तिरंगा हमें भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलंद करने की प्रेरणा देता है। आज इस तिरंगे के नीचे अयोध्या जानना चाहती है कि भाजपा के राज में 5 मिनट के भीतर दो करोड़ की जमीन 18.50 करोड़ की कैसे हुई। उन्होंने कहा कि चंदा चोरों से अयोध्या के संत समाज के कई लोगों ने सवाल किया था, लेकिन सरकार प्रकरण पर पर्दा डालने में जुटी है। हम राम मंदिर के नाम पर जमीन खरीद में हुए घोटाले के खिलाफ न्यायालय में गए हैं। सरकार की तानाशाही, भ्रष्टाचार और अराजकता के खिलाफ तिरंगा यात्रा पूरे प्रदेश में आवाज उठाएगी।

# 18 व 19 को मानस भवन में आयोजित होगी भाजपा पिछड़ा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति

## मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या, प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह, प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल रहेंगे मौजूद

अयोध्या। भाजपा पिछड़ा मोर्चा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक 18 व 19 सितम्बर को अयोध्या स्थित मानस भवन में आयोजित की जायेगी। जिसमें पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश, क्षेत्र व सभी जिलों के पदाधिकारी मौजूद रहेगें। पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व सांसद नरेन्द्र कश्यप ने क्षेत्रीय व महानगर पिछड़ा मोर्चा के अध्यक्ष बिजेन्द्र जायसवाल व अन्य पदाधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा की। पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार गरीबों, पिछड़ो के विकास के लिए कटिबद्ध है। सरकार की योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के कारण लोगो में उत्साह का माहौल है। पिछड़ो की सहभागिता से इस चुनाव में भाजपा प्रचंड बहुमत से जीत दर्ज करेगी। क्षेत्रीय अध्यक्ष शिवनायक वर्मा ने बताया कि कार्यसमिति में उद्घाटन सत्र को प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह, पिछड़ा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री संगम लाल गुप्ता, केन्द्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा, प्रदेश प्रभारी दयाशंकर सिंह, प्रदेश सह प्रभारी पूनम बजाज सम्बोधित करेंगी। समापन सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष डा के लक्ष्मण कार्यकर्ताओं को निर्धारित विषय पर व्याख्यान देंगे। 19 सितम्बर को प्रदेश महामंत्री सुनील बंसल कार्यसमिति का शुभाम्भ करेंगे। समापन सत्र को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या, पूर्व गृहराज्यमंत्री हंसराज प्रमुख रुप से सम्बोधित करेंगे। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कि योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों को प्रदान किया जा रहा है। सरकार की योजनाओं गरीबों, किसानों व मजदूरों के प्रति समर्पित है। बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र कश्यप ने कार्यसमिति की तैयारियों के विषय में जानकारी हासिल की। पदाधिकारियों की जिम्मेदारियां इसको लेकर तय की गयी। मंच, साज सज्जा, पार्किंग, आवास, भोजन, स्वागत की जिम्मेरियों के बाबत बैठक में चर्चा की गयी। महानगर जिलाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा व जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने तैयारियों के विषय में जानकारी दी। महानगर पिछड़ा मोर्चा के अध्यक्ष बिजेन्द्र जायसवाल ने कार्यक्रम को लेकर अपनी टीम को सक्रिय कर दिया है। बैठक में प्रमुख रुप से पिछड़ा मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रमेश निषाद, विनोद यादव, संजय पटेल, क्षेत्रीय मंत्री कमलेश श्रीवास्तव, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष वासुदेव मौर्या, राकेश पटेल, दिनेश यादव, रामशंकर राजपूत, रामचन्दर गुप्ता, प्रवीण, राकेश यादव, तिलकराम मौर्या, सुरेन्द्र यादव सहित बड़ी संख्या में पिछड़ा मोर्चा के पदाधिकारी मौजूद रहे।

# बुढ़वा मंगल पर पनकी मंदिर में टकराव

कानपुर। शहर के पनकी स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में लंबे समय से चल रहा महंतों का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुढ़वा मंगल की भोर पहर दोनों महंतों के शिष्यों में झगड़ा हो गया। बवाल की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों गुटों को अलग किया। इस बीच महंत जितेंद्र दास की भी पुलिस से झड़प हुई। बुढ़वा मंगल की भोर पनकी मंदिर परिसर में भक्तों के दर्शन का तांता लगा था। आरोप है कि इस दौरान भक्तों को दर्शन कराने को लेकर पनकी महंत जितेंद्र दास और कृष्ण दास के बटुक शिष्यों में आपसी झड़प हो गई। देखते ही देखते दोनों तरफ के शिष्य आपस में मारपीट करने लगे। मामले की जानकारी पर मौके पर पहुंची पुलिस ने बटुकों को फटकार लगा उन्हें अलग किया। मारपीट के चलते करीब एक घंटे तक दर्शन प्रभावित रहा। इसी बीच महंत जितेंद्र दास ने पुलिस पर एक पक्षीय कार्रवाई का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। महंत जितेंद्र की पुलिस से झड़प भी हुई। पनकी थाना प्रभारी दधिबल तिवारी ने बताया कि सुबह मंदिर में पहले प्रसाद चढ़ाने को लेकर मंदिर के महंत जितेंद्र दास और कृष्णदास में अनबन हो गई। इसी बात को लेकर माहौल बिगड़ गया और दोनों महंतों के शिष्य आमने.सामने आ गए। इसके बाद सैकड़ों की भीड़ के सामने शिष्यों में जमकर गाली–गलौज और मारपीट हुई। इस दौरान दर्शन को आए भक्तों ने मारपीट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इस दौरान चौकी इंचार्ज मनोज चौहान समेत अन्य पुलिस कर्मी मूकदर्शक बने रहे और मारपीट होती रही।वहीं कल्याणपुर एसीपी दिनेश कुमार शुक्ला ने बताया कि दोनों पक्षों को शांत करा दिया गया है। तहरीर मिली तो आगे की कार्रवाई की जाएगी। पनकी मंदिर में मारपीट का यह कोई पहला मामला नहीं है। एक महंत ने दूसरे के खिलाफ चोरी का मुकदमा भी लिखा रखा है। मंदिर में वर्चस्व को लेकर दोनों महंतों के बीच विवाद चलता है। मंदिर में कड़ी सुरक्षा,550 पुलिसकर्मी तैनातः मारपीट के बाद विवाद बढ़ न जाए इसलिए कल्याणपुर सर्किल फोर्स को भी मंदिर में तैनात कर दिया गया है। सिर्फ मंदिर और भक्तों की सुरक्षा के लिए 550 सिपाही और दो बटालियल आरआरएफ लगाई गई है। इसके साथ ही दोनों महंतों और उनके शिष्यों को अलग–अलग कर दिया गया है। डीसीपी पश्चिम बीबीजीटीएस मूर्थि खुद मंदिर के विवाद पर निगरानी बनाए हुए हैं। इसके साथ ही पनकी थाना प्रभारी को सख्ती के साथ ड्यूटी करने की हिदायत दी है।

# आबकारी के निरीक्षण में दिए कड़े निर्देश, निर्धारित दरों पर ही करें मदिरा की बिक्री

उन्नाव । डीएम रवींद्र कुमार के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी करुणेन्द्र सिंह के नेतृत्व में कुलदीप बहादुर सिंह आबकारी निरीक्षक सदर, राजेश प्रताप सिंह आबकारी निरीक्षक पुरवा व आबकारी निरीक्षक हसनगंज द्वारा (नवनियुक्त आबकारी निरीक्षक क्रीमिया प्रशिक्षण हेतु साथ में उपस्थित रहीं) विदेशी मदिरा थोक गोदाम, विदेशी मदिरा दुकान बिछिया व देशी शराब दुकान सिरसा का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मदिरा की दुकान पर उपलब्ध स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया। जिसमें बारकोड एवं क्यूआर कोड का मिलान व दुकान पर मदिरा स्टाक का बिक्री रजिस्टर से मिलान किया गया। सभी स्टाक का क्यूआर कोड और बारकोड सही पाया गया। साथ साथ साइन बोर्ड, अधिकृत विक्रेता व सीसीटीवी कैमरे को भी देखा गया। कोई गंभीर अनियमितता नहीं पाई गई। ओवररेटिंग की जाँच हेतु दुकानों पर टेस्ट परचेस कराया गया। जाँच में मदिरा का विक्रय निर्धारित दर पर होते पाया गया। दुकान विक्रेताओं को चेतावनी दी गई की ग्राहकों को निर्धारित दर पर ही मदिरा का विक्रय करें अन्यथा कड़ी कार्यवाही करते हुए जेल भेजा जाएगा।

# प्रशासनिक पद की लोलुपता आगे मूल कर्तव्य भूल गए कृषि विवि के शिक्षक

## कृषि विवि के प्रशासनिक पद की होड़ ने चौपट की शिक्षा दीक्षा

मिल्कीपुर–अयोध्या। विश्व के पटल पर अपना स्थान बनाने वाला आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय अब उन्नति के बाद तेजी से अवनति की ओर अग्रसर हो गया है। कृषि विश्वविद्यालय में शिक्षा का स्तर शिक्षकों की कारस्तानी के चलते अत्यंत निम्न कोटि का होने के कगार पर पहुंच गया है। कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों पशु चिकित्सा एवं पशुपालन, कृषि, उद्यान सहित अन्य महाविद्यालयों में तैनात शिक्षकों में अध्यापन शिक्षण से मोहभंग हो गया है। अब इन शिक्षकों में विश्वविद्यालय के प्रशासनिक पदों एवं दायित्व को संभालने की लोलुपता की अनोखी सी होड़ मच गई है। विश्वविद्यालय के आधा दर्जन से अधिक शिक्षक विश्वविद्यालय के कुलपति की चाटुकारिता करते हुए विश्वविद्यालय के प्रशासनिक पदों को सुशोभित कर छात्र छात्राओं को शिक्षा दीक्षा देना भूल गए हैं। यही नहीं विश्वविद्यालय के लगभग आधा दर्जन शिक्षकों के पास 4 से 5–5 विभागों एवं अन्य पदों का अतिरिक्त प्रभार है। जिसके चलते अब इन शिक्षकों द्वारा अपने को विश्वविद्यालय का शिक्षक बताने में शर्म महसूस होती है। वह अपने को कृषि विश्वविद्यालय का प्रशासनिक अधिकारी गिनाने में अपनी गरिमा महसूस कर रहे हैं। बताते चलें कि आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज अपने शोध कार्यो तथा उन्नतशील बीजों का उत्पादन करने के चलते विश्व के पटल तक पहुंच चुका था। किंतु कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को अब विश्वविद्यालय से छात्र छात्राओं को उत्तम शिक्षा दीक्षा देकर नए वैज्ञानिक बनाने में कोई रुचि नहीं रह गई है। अब यही शिक्षक विश्वविद्यालय का प्रशासनिक अधिकारी और एक साथ कई विभागों के मलाईदार पदों का अतिरिक्त प्रभार लेकर अपना कर्तव्य एवं दायित्व पूरी तरह से भूल गए हैं। जिसका सारा श्रेय विश्वविद्यालय के कुलपति को जाता है। बताते चलें कि आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज के पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के शिक्षक सबसे ज्यादा इन पदों को सुशोभित कर रहे हैं और विश्वविद्यालय के पशु चिकित्सा तथा पशुपालन महाविद्यालय की शिक्षा पूरी तरह से चौपट हो चुकी है। पशुपालन एवं पशु चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ आर के जोशी के पास अधिष्ठाता के अतिरिक्त पांच विभागों का विभागाध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय सुरक्षा चेयरमैन, नोडल अधिकारी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का अतिरिक्त प्रभार है। इसके अलावा उनकी पत्नी डॉ नमिता जोशी के पास विश्वविद्यालय के होम साइंस विभाग का विभागाध्यक्ष एवं सामुदायिक महाविद्यालय के अधिष्ठाता सहित प्रभारी चिकित्सा विश्वविद्यालय परिसर अस्पताल, चेयरमैन डीएवी कॉलेज एवं नोडल अधिकारी एनएएचईपी का अतिरिक्त प्रभार है। इसके अलावा पशुपालन एवं पशु चिकित्सा महाविद्यालय के वेटरनरी पैथोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ डी नियोगी के पास डायरेक्टर विश्वविद्यालय प्लेसमेंट सेल, अधिष्ठाता छात्र कल्याण, पी आई एनएएचईपी का अतिरिक्त प्रभार है। यही नहीं अभी हाल ही में विश्व विद्यालय के निदेशक प्रशासन एवं परिवीक्षण बनाई गई डॉ ए के सिंह (डॉ अशोक कुमार सिंह) के पास विभागाध्यक्ष फसल एवं कार्यकी विभाग, डायरेक्टर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फार राइस का भी अतिरिक्त प्रभार। इसके अलावा विश्वविद्यालय में बिना शासन से अनुमति लिए एक नया विभाग नियुक्ति सेल के नाम बना दिया गया है। जिसमें पशुपालन एवं पशु चिकित्सा महाविद्यालय के ही शिक्षक डॉ भूपेंद्र सिंह को सदस्यों लीगल सेल के नोडल अधिकारी के दायित्व का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। यही नहीं विश्वविद्यालय के कुलपति के निजी सचिव पद पर पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के ही प्राध्यापक डॉ यशवंत सिंह को तैनाती दी गई है। यह अतिरिक्त प्रभार और प्रशासनिक अधिकारी पद का दायित्व संभालने वाले शिक्षक अपने मूल कर्तव्य एवं दायित्व को भूल गए हैं। इन सभी प्रशासनिक अधिकारियों का बसेरा कुलपति कार्यालय के इर्द गिर्द ही रहता है और उन्हें आलीशान ऑफिस भी सौंप दिए गए हैं। जिसमें वह बैठकर अफसरशाही का रौब गालिब करते हैं। फिलहाल यह तो मात्र वानगी भर है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के अन्य कई शिक्षकों के पास भी ऐसे ही अतिरिक्त प्रभार वाले पद सौपे गए हैं जो विश्वविद्यालय की शिक्षा दीक्षा को चौपट करने के लिए नाकाफी है। सबसे ज्यादा अतिरिक्त प्रभार प्राप्त करने वाले शिक्षको में पशुपालन एवं पशु चिकित्सा महाविद्यालय के ही शिक्षक हैं।

# प्रबंध समिति के सदस्यों के साथ डीएम ने बैठक आहुत की

उन्नाव । डीएम रवीन्द्र कुमार की अध्यक्षता में विद्यालय प्रबंधा समिति एवं ट्रस्ट समिति की बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय कक्ष में किया गया। बैठक में अटल बिहारी इंटर कॉलेज बड़ा चौराहा उन्नाव की प्रबंध समिति के समस्त सदस्यों के साथ सम्बन्धि बिन्दुओं पर चर्चा की गई। जिसमें आयोग से चयनित व्यक्ति को कार्यभार ग्रहण कराने, दो सहायक अध्यापकों का चयन वेतनमान स्वीकृत करने के सम्बन्ध में चर्चा की गयी। विद्यालय के बाथरूम के संलग्न गली में हो रहे अवैध निर्माण को गिराने के संबंध में डीएम द्वारा संबंधित को निर्देशित किया गया। बैठक में प्रबन्धक अटल बिहारी इंटर कॉलेज, प्रमोद बिहारी महरोत्रा, प्रधानाचार्य अजब सिंह यादव सहित समिति के समस्त सदस्य उपस्थित रहे।

# डीएम ने निरीक्षण कर लोगों को किया जागरूक, ऑडॉमास किए वितरण

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी द्वारा डेंगू व संचारी रोगों की रोकथाम व प्रभावी नियंत्रण हेतु निरंतर किए जा रहे निरीक्षण के क्रम में .कैलाश नगर चौकी संतोष नगर आदि क्षेत्रों एवं सौ शैय्या अस्पताल व नई बिल्डिंग संचालित ओपीडी का निरीक्षण किया। जनपद में डेंगू, मलेरिया वायरल बुखार व उससे पीडित लोगों को त्वरित राहत पहुचाने एवं डेंगू, मलेरिया व वायरल बुखार पर जल्द नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी चंद्रविजय सिंह ने सौ शैय्या अस्पताल में नई बिल्डिंग मैं संचालित कराई गई ओपीडी का निरीक्षण कर वहां की सभी व्यवस्थाओं को देखा और वहां आ रहे मरीजों को ओपीडी की व्यवस्था और अधिक शुभम बनाने के लिए प्रिंसिपल को निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल का निरीक्षण कर भर्ती डेंगू के मरीजों के सम्बन्ध में प्रिंसिपल, सीएमओ, सीएमएस व बाल रोग विशेषज्ञ से विस्ततृत जानकारी प्राप्त की जिसमें पाया गया कि डेंगू के मरीजों में निरंतर कमी आ रही है। उन्होने बताया कि जनपद में डेंगू रोग में गिरावट देखी जा रही है और जल्द ही स्थिति सामान्य हो जाएगी। उन्होने बताया कि लोग ज्यादा घबराऐं नही धैर्य से काम लें। अधिकतर मरीजों में सामान्य वायरल बुखार है, जिसके लिए स्थानीय स्तर पर लगाऐं गए मेडिकल कैम्प व सीएचसी व पीएचसी पर उपचार लें सकते है और गम्भीर मरीज होने पर तत्काल सौ शैय्या अस्पताल में भर्ती कराऐं। जिलाधिकारी ने प्राचार्या डा0 संगीता अनेजा व बाल रोग विशेषज्ञ डा0 एल के गुप्ता को निर्देशित किया कि वह वार्डों मे भर्ती मरीजों का सघन निरीक्षण करते रहें, उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही परिलक्षित न हो। शहर में बढते डेंगू मलेरिया वायरल बुखार की रोकथाम हेतु निरंतर दिए जा रहे हैं निर्देशों का भौतिक स्तर पर सत्यापन व निरीक्षण करने के उददेश्य से जिलाधिकारी ने . .ओम नगर, कैलाश नगर संतोष नगर आदि क्षेत्रों में साफ–सफाई एवं चिकित्सा व्यवस्था का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खाली पडे प्लॉटों में गंदगी, जल भराव, नालियां क्षतिग्रस्त मिली, गंदगी व जलभराव मिला। जिलाधिकारी ने बताया कि इसकी वजह से क्षेत्र में मच्छरों का प्रकोप बढ रहा है और बीमारियां फैल रही है।

उन्होने उपस्थित क्षेत्रीय पार्षद व जनता की शिकायत मिलने पर जिसमें नगर निगम के अधिशासी अधिकारी अतुल कुमार पांडे क्षेत्र में टूटी पड़ी नालियों की मरम्मत जलभराव की निकासी नहीं कराते हैं जिससे घरों का पानी प्लॉटों में ही भर रहा है इसको जिलाधिकारी ने गंभीरता से लेते हुए अधिशासी अधिकारी नगर निगम अतुल कुमार पांडे को फोन पर कड़ी फटकार लगाते हुए निर्देश दिए कि वह तत्काल इस क्षेत्र में जलभराव की निकासी कराएं और जगह–जगह टूटी पड़ी नालियों की मरम्मत कराएं और चौक पडी नालियों की सफाई इस प्रकार से करवाऐं की नाली का पानी अंतिम स्थान नाले तक पहुचता रहें अन्यथा उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। उन्होने स्थानीय पार्षद को भी निर्देशित किया कि वह प्लॉटों में जलभराव की निकासी कराते रहे उसमें इंसेक्टिसायडल एवं लार्वासाइडल जैसी कीटनाशक दवाओं तथा मिटटी के तेल का छिडकाव निरंतर कराते रहें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि खाली पडेंध प्लॉट स्वामियों को तत्काल नोटिस निर्गत कर जुर्माना लगाने एवं उनके विरूद्ध कठोर कार्यवाही करने के लिए नगर आयुक्त को दिए। उन्होने पार्षद को यह भी निर्देश दिए कि वह अपने क्षेत्र में जन सामान्य को डेंगू, मलेरिया व वायरल बुखार के प्रति जागरूक करने हेतु एनाउंसमेंण्ट, होर्डिंग व बैनर लगवाकर व नगर निगम की सहायता से व्यापक जन जागरूकता अभियान चलवाऐं। उन्होने पार्षद से स्पष्ट कहा कि लोगों से यह शिकायत न प्राप्त होने पाए कि उनके क्षेत्र में फोगिंग, एण्टीलार्वा छिडकाव नही किया गया है। इसके साथ उन्होने यह भी निर्देश दिए कि वह दवा छिडकाव करने वाली सभी टीमों को निर्देशित करें कि वह यह सुनिश्चित करें कि उनके द्वारा दवा छिडकाव के समय सभी घरों में पॉटस, कूलर व पुराने बर्तनों में जमा गंदा पानी पूर्ण रूप से हटवा दिया गया है।

# संदिग्ध अवस्था में छत से गिरकर महिला की मौत

शिकोहाबाद। नगर के मोहल्ला आदर्श नगर में एक महिला संदिग्ध अवस्था में बीती रात छत से गिर कर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए फिरोजाबाद मेडिकल कॉलेज भेज दिया। महिला की मौत की खबर पर पहुंचे परिजनों ने पति पर मारपीट कर छत से नीचे फेंक कर हत्या का आरोप लगाया है। आदर्श नगर निवासी नीरज यादव (38) पत्नी अरविंद कुमार यादव बीती रात संदिग्ध अवस्था में मकान की छत से नीचे गिर पड़ी।

जिससे उसके गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी होते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया। मृतका के भाई कृष्णवीर पुत्र सुरेश चंद्र निवासी श्रीराम कॉलोनी ओम नगर ने बताया कि उसने अपनी बहिन की शादी 13 वर्ष पूर्व की था। आरोप है कि शादी के बाद से अरविंद अतिरिक्त दहेज की मांग कर उत्पीड़न करता आ रहा था। कई बार समझाया, लेकिन नहीं माना। कृष्णवीर का कहना है कि बीती रात बहनोई ने बहिन के साथ मारपीट की और छत से नीचे फेंक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद वह भाग गया। इस संबंध में थाना पुलिस का कहना है कि मृतका के भाई ने तहरीर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जायेगी।

# सभी गरीबो को मिलेगा प्रधानमंत्री आवास,ग्रामीण विकास मंत्री से मिले सांसद जगदंबिका पाल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल प्रधानमंत्री आवास को लेकर भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री गिरिराज सिंह से मुलाकात की। सांसद जगदंबिका पाल ने ग्रामीण विकास मंत्री को अवगत कराते हुए बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित बर्डपुर,उसका बाजार के ग्रामीण काफी समय से परेशान है लेकिन उनको अभी तक आवास नहीं मिला हुआ है कुछ ग्राम पंचायतों का नाम भी सामने नहीं आ पा रहा है जिससे जनता में योजनाओं को लेकर दुविधा बनी हुई है इसे सही किया जाय साथ ही लोकसभा क्षेत्र के सभी गरीबों एवं पात्रों को प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभ दिला कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नारे को सफल बनाया जाए, आज सिद्धार्थनगर एक उभरता हुआ जनपद है जहां सभी को रोजगार एंव आवास की सुविधा सरकार देने को तत्पर पर है आपको बता दें कि जनपद सिद्धार्थनगर में विकास को लेकर सांसद जगदंबिका पाल मंत्रियों एंव मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार से लगातर मिलकर जनपद में नई योजनाएं ला कर जनता को लाभ दिला रहे हैं जिससे जनपद में सरकार की योजनाएं सफलतापूर्वक चल रही हैं

## गरीबों का मसीहा बन रहे हैं अभिषेक पाल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थ नगर। विकास खण्ड जोगिया क्षेत्र के कोयडा,भुतहिया

और सेमरा कला मे राहत सामग्री राशन वितरण किया गया जिसमें 1130 लोगों को वितरण किए सांसद जगदम्बिका पाल के पुत्र भाजपा नेता अभिषेक पाल के द्वारा किया गया गांव के लोग हैं फसल खराब होने से वही लोगों की मुसीबतें बढ़ रही जिसमे अभिषेक पाल के द्वारा को राहत सामग्री वितरण किया जिसमे खुशी का ठिकाना नही रहा।इसके बाद जो फसल बर्बाद हुआ है उसका भी मुआवजा मिले जाएग,वहां पर उपस्थित अनीता देवी प्रधान , चंद्रभान पहलवान, लेखपाल रामकरन गुप्ता,अजीत गुप्ता, सुबोध गुप्ता, रमेश गुप्ता,राजकुमार,बूथ अध्यक्ष अशोक गुप्ता, त्रिजुगी चौहान, भूतिया, रसूल पूर्व प्रधान , डिंपल सिंह, अंबिका गोड अनूप बागी रवि जायसवाल सांसद प्रभारी, जहीर सिद्धकी सांसद प्रभारी, अखंड पाल सांसद प्रभारी, प्रिंस शर्मा सांसद प्रभारी, अमरिंदर पाल सांसद प्रभारी, और कार्यकर्ता वहां पर उपस्थित रहे।

# बच्चों का उपचारात्मक शिक्षण आवश्यक:बीईओ रमेशचन्द्र मौर्या

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर।कोरोना के कारण लंबी अवधि तक विद्यालयों से दूर रहे बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए शिक्षकों को बच्चों के उपचारात्मक शिक्षण करने की विशेष आवश्यकता है. उपरोक्त विचार प्रधानाध्यापकों की मासिक समीक्षा बैठक में बीईओ रमेशचन्द्र मौर्या ने प्रकट किए. उन्होंने कायाकल्प योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायतों द्वारा विद्यालयों में कराए जा रहे, चहारदीवारी निर्माण, भवन मरम्मत, टायलीकरण आदि विभिन्न कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि निरूशुल्क वितरण हेतु पाठ्यपुस्तकें सभी विद्यालयों तक पहुंचाई जा रही हैं, उन्हें बच्चों में शीघ्र वितरित कर दिया जाए. बीईओ श्री मौर्या ने बच्चों के शतप्रतिशत नामांकन एवं आधार नामांकन तथा आउट ऑफ स्कूल बच्चों के सर्वेक्षण एवं नामांकन हेतु भी निर्देशत किया।इस अवसर पर एआरपी सुरेन्द्र भारती, मनोज कुमार पांडेय, सुभाष कुमार पांडेय एवं विक्रांत त्रिपाठी द्वारा प्रेरणा लक्ष्य के अनुसार हेतु भाषा एवं गणित विषयों के न्यूनतम अधिगम स्तर की सम् प्राप्ति के लिए विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों पर विस्तृत चर्चा करते हुए रोचक एवं प्रभावी शिक्षण के गुण बताए गए। बैठक में जितेन्द्र कुमार मिश्रा, अरूण सिंह, धर्मेन्द्र सिंह, नियाज अहमद, रीता चौधरी, गीता चौधरी, सरोज पांडेय, जितेंद्र चौधरी, आलोक आनंद, दीपक श्रीवास्तव, सुभाष वरूण, मदनलाल जैसवाल, सुनीता वर्मा, संतोष त्रिपाठी आदि प्रधानाध्यापकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

## हर थाना प्रभारी क्षेत्र में रहकर अराजक तत्वों के खिलाफ विधि सम्मत कार्यवाही करें:क्षेत्राधिकारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

नौतनवा/महराजगंज।हर थाना प्रभारी को यह आदेश निर्गत किया जा चुका हैं कि क्षेत्र में रहकर हर घटना खासकर महिलाओं से सम्बंधित अपराध की जानकारी खुद ले और अराजकतत्वों के खिलाफ विधिसम्मत कार्यवाही अमल में लाये। ये बाते पुलिस क्षेत्राधिकारी नौतनवा कोमल प्रसाद मिश्र ने आज अगापे मिशन स्कूल में नौतनवा नगर पालिका व विद्यालय प्रबंधन के तत्त्वाधान में आयोजित मिशन शक्ति कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे,प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं को उनके अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति जागरुक करने के लिए पूरे प्रदेश में मिशन शक्ति कार्यक्रम जोर शोर से संचालित की जा रही हैं।कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि नौतनवा नगर पालिका अध्यक्ष गुड्डू खान ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं को शिक्षित करने व उनके अधिकारो को संरक्षित करने के लिए कानून का सुरक्षा कवच मुहैया कराता रहा है जिसके डर से उनके साथ होने वाले अपराध में कमी आई है तथा महिलाओं की दिशा व दशा में महत्वपूर्ण सुधार देखने को मिल रहा हैं।थानाध्यक्ष राजेश पाण्डेय ने बताया कि बीट के हर पुलिस कर्मियों को निर्देशित कर दिया गया हैं कि अपने क्षेत्र में होने वाली हर छोटी से छोटी घटना को बड़ी होने से पहले ही तत्काल उसका निवारण करे या हमे सूचित करें।इस अवसर पर चौकी प्रभारी दुर्गेश सिंह,बन्टी पाण्डेय, स्कूल के प्रधानाचार्य जखेड बणभुइया,हेलेन बणभुइया, महिला आरक्षी कंचन तिवारी,प्रमोद पाठक,ममता श्रीवा0, दिक्षा सिंह, मीरा,तस्मीन,अमरेश कुमार, अमित सिंह,अज्ञाराम यादव,रोजी दूबे,गिरजा देवी, सोनमती देवी आदि लोग उपस्थित रहे।

## बांसी से धानी जाने वाले मार्ग पर ट्रक एवं पिकअप बजने से आवागमन ठप

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बाँसी। स्वास्थ्य मंत्री के निजी क्षेत्र में सड़कों की व्यवस्था ध्वस्त बांसी से धानी जाने वाले मार्ग एकदम से टूट चुके हैं और कहीं ना कहीं कोई ना कोई घटना होती ही रहती है कहीं गाड़ी बस जाती है कहीं गाड़ी चलाते समय गिर जाता है एवं बांसी से लेकर के पेड़ारी तक सारे रोड टूट चुके हैं ऐसा ही आज देखने को मिला सकारपार चौराहे के नजदीकी में महुलानी हैंडिल के पास धानी की तरफ जाता एक ट्रक एवं एक पिकप भी फसा जिससे लगभग 4 घंटे तक आवागमन ठप रहा।3 घंटे लगातार मेहनत के बाद गाड़ी निकलता है गाड़ी इस तरीके से गड्ढे में फस गई थी कि लोड ट्रक के सामान को निकालकर फिर गाड़ी को टोचन कर के निकाला गया आखिर मंत्री या विधायक का ऐसे जगह पर क्या नजर नहीं जाता है आखिर का जिम्मेदार कौन है।

# किसान पाठशाला में बताए गए फसल सुरक्षा के गुर

### कृषि विभाग के द्वारा कमसार में आयोजित हुआ एक दिवसीय प्रशिक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

इटवा सिद्धार्थनगर। मंगलवार देर शाम ब्लाक क्षेत्र के कमसार

में कृषि विभाग के द्वारा एक दिवसीय किसान पाठशाला का आयोजन किया गया,जिसमें किसानों को फसल सुरक्षा की जानकारी दी गई। राजकीय कृषि बीज भंडार भनवापुर के प्रभारी सुजीत कुमार यादव नें कहा कि बाढ वा बरसात के बाद धान के फसलों में लगने वाले बीमारियों के साथ कीटों को नियंत्रित करने के लिए समय समय पर किसान निगरानी करते हुए आवश्यक उपचार करें। बृजेश विश्वकर्मा नें धान के फसलों में लगने वाले विभिन्न रोगों तथा कीटों के उपचार के बारे में बिस्त्रित जानकारी किसानों को दी । इस दौरान लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी,विनय तिवारी,विसम्भर, रामबरन, गुरूदेव, आदि लोग उपस्थित रहे।

# बालू के नाम पर नहरों से सिल्ट निकालकर चोरी छिपे बेच रहे है धंधेबाज

दैनिक बुद्ध का सन्देश

कुशीनगर। बालू के नाम पर नहरों की सिल्ट बेचना कोई नई बात नहीं है, लेकिन धंधेबाजों ने अब ट्रेंड बदल दिया है। पहले नहरों से निकाल कर पटरियों पर रखी गई सिल्ट चोरी छिपे बेची जाती थी। अब नहर के बेड और किनारों की खोदाई कर खनन माफिया खुलेआम सिल्ट बेच दे रहे हैं।नेबुआ नौरंगिया थानाक्षेत्र से होकर गुजरने वाली बड़ी गंडक नहर और खजुरिया शाखा की सफाई के दौरान निकाली गई सिल्ट पटरी पर रखी गई थी। पर अब बालू माफिया उसे मनमाने दामों पर बेच रहे हैं। खजुरिया शाखा में इस समय पानी नहीं है। इसका फायदा उठाते हुए माफिया नहर के बेड को खोदकर सिल्ट निकाल रहे हैं। इससे नहर की पटरी कमजोर हो रही है, पानी छोड़े जाने पर दबाव बढ़ेगा और नहर टूट जाएगी जिससे तबाही भी मच सकती है। पिछले साल भी बालू की किल्लत होने पर धंधेबाज ने ट्रकों व ट्रालियों में भरकर सिल्ट बेच दी थी। कुछ लोगो की शिकायत पर नेबुआ नौरंगिया पुलिस जेसीबी, ट्रकों व अन्य साधनों को पकड़ कर थाने ले गई थी।पडरौना एसडीएम कल्पना जायसवाल ने बताया कि सिल्ट खनन की जानकारी नहीं है। इसे दिखवाया जायेगा, खनन कराने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

## युवा भाजपा नेता अभिषेक पाल बाल बाल बचे

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल के पुत्र एवं भाजपा नेता अभिषेक पाल बुधवार को घायल होने से बाल–बाल बचे सूत्रों के मुताबिक सिद्धार्थनगर में राहत सामग्री वितरण करने के बाद संतकबीर नगर में एक कार्यक्रम में भाग लेने जा रहे अभिषेक पाल के गाड़ी के उपर पेड़ गिर जाने से हड़कंप मच गया। इस घटना में सांसद जगदंबिका पाल को हल्की–फुल्की चोटें आई।

## लेखपाल से अभद्रता करने वाले पर हरिजन उत्पीड़ित का मुकदमा दर्ज

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। जिलामुख्यालय से सटे दतरंगवा गाँव कब्जा हटवाने गए हल्का लेखपाल देवानन्द पर एक व्यक्ति द्वारा जान लेवा हमला किया गया,किसी तरह से लेखपाल जान बचाकर तहसील पहुँच कर उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदार से घटना की जानकारी दी और थाना सिद्धार्थ नगर में प्रथम सूचना रिपोर्ट के लिये प्रार्थना पत्र दिया गया जिसपर सिरपत पुत्र बलिकरन निवासी ग्राम दतरंगवा के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 217ध14.09.2021 धारा 186,427,504,506,3(1)(द),3(1)(ध)के तहत मुकदमा दर्ज किया गया।

# स्मार्ट मीटर लगाने की कार्यवाही चल रही है और 50 हजार स्मार्ट मीटर लगाये जा चुके

गोरखपुर। मण्डलायुक्त रवि कुमार एन.जी. ने निर्देश दिये है कि अन्डरग्राउन्ड केबिल, जर्जर पोलध्तार के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के साथ ही शहरी क्षेत्र से बांस बल्ली हटाकर पोल लगाया जाये। उन्होंने यह भी कहा सिस्टम में सुधार की दिशा में प्रभावी कार्यवाही किया जाये, अधिकारी गण जनता के प्रति संवेदनशील रहे, सभी काल अटेन्ड करते हुए समस्या के निराकरण का पूरा प्रयास किया जाये। उन्होंने कहा कि लोकल फाल्ट को अतिशीघ्र ठीक कराने के साथ उपभोक्ताओं की गलत बिलिंग न होने पाये इसपर निरन्तर निगरानी रखी जाये तथा गलत बिलिंग करने वाले के विरूद्ध कार्यवाही भी सुनिश्चित करें। उक्त निर्देश मण्डलायुक्त ने आयुक्त सभागार में आयोजित विद्युत विभाग की मण्डलीय समीक्षा बैठक करते हुए दिये। इस अवसर पर बताया गया कि स्मार्ट मीटर लगाने की कार्यवाही चल रही है और 50 हजार स्मार्ट मीटर लगाये जा चुके है। आयुक्त ने कहा कि सभी सरकारी कार्यालयों एवं

सरकारी आवासों में रह रहे अधिकारियोंध्कर्मचारियों के वहां प्रमुखता के आधार पर स्मार्ट मीटर लगाये जाये और कार्यालय में अनावश्यक बिजली का प्रयोग न हो, अधिकारी जैसे ही अपने कमरे से बाहर जाये लाइट, पंखा आदि बन्द कर दिया जाये और सरकारी आवासों में रह रहे अधिकारियोंध्कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे विद्युत बिल का भुगतान प्रतिमाह अवश्य करें वरना उनके विद्युत विच्छेदन हेतु नोटिस भेजा जाये। जिन विभागों में विद्युत बिल अवशेष है वे बजट की डिमान्ड कर शीघ्र बिल का भुगतान करायें। इस अवसर पर मण्डलायुक्त ने गांव की बिजली को लेकर आ रही समस्याओं के समाधान हेतु 15 प्रधानों का बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ संवाद स्थापित हुआ तथा ग्राम प्रधानों द्वारा जर्जर पोलध्तार बदलने की मांग की गयी। मण्डलायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं का समाधान किया जाये और यदि मण्डल का कोई प्रस्ताव शासन स्तर पर लंबित है तो पत्र की प्रति उपलब्ध करायी जाये ताकि उसका निराकरण कराया जा सके। उन्होंने कहा कि सामुदायिक शौचालयों में बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना अति आवश्यक है क्योंकि इसके संचलन से जहां गंदगी से निजात मिलेगी वही अनेकानेक बीमारियों से बचा जा सकता है। इस अवसर पर मण्डलायुक्त ने ग्राम प्रधानों से कहा कि वे धान क्रय केन्द्रों के पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन अवश्य करा लें ताकि उनके धान क्रय करने के पश्चात धनराशि उनके खाते में सीधे भेजी जा सके। इसके अतिरिक्त उन्होंने यह भी कहा कि वरासत के मामलों को वरीयता के आधार पर निस्तारित करने हेतु अपने गांव में शुक्रवार एवं शनिवार को कैम्प आयोजित कर मामले निपटवायें। इन कार्यों की निगरानी हेतु नोडल अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार की योजना का लाभ पात्र जन को प्राप्त हो इस दिशा में ग्राम प्रधान कार्य करें। बैठक में मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता गण तथा भटहट, खोराबार एवं पिपराइच के ग्राम प्रधान उपस्थित रहे।

## ग्रामीणों ने कोटेदार पर कम राशन देने और अभद्र भाषा का प्रयोग करने का लगाया आरोप

दैनिक बुद्ध का सन्देश

भनवापुर। स्थानीय ब्लाक क्षेत्र के मुबारकपुर गांव के लोगों ने मंगलवार को जिला खाद्य अधिकारी सिद्धार्थनगर को दिए शिकायती पत्र के माध्यम से कोटेदार पर आरोप लगाया है कि हमारे यहा का कोटेदार ग्रामीणों का राशन तो भेजता ही है साथ साथ 5 किलो की जगह पर 4 किलो प्रति यूनिट अनाज देता है। इतना ही नहीं शिकायत करने पर अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगता है और कहता है कि ऊपर भी हम लोगों को देना पड़ता है।जहां शिकायत करना है वहां शिकायत कर लो मेरा कुछ नहीं होने वाला है।

- **ग्रामीणों का आरोप कि कोटेदार बेच लेता है गांव का रासन**
- **भनवापुर ब्लाक क्षेत्र के मुबारकपुर गांव का है मामला**

ग्रामीणों ने कहा कि कोटेदार का कहना है कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था 15– 15 लाख रुपए खाते में आएगा तो क्या किसी के खाते में आया। शिकायत करने वालों में अकबर अली,बीना, अजमत अली, चंद्रावती,मीना,सीताराम, विद्यावती, भदई, नजमुन्निसा, सनाउल्लाह, अनीता ,राधिका, राम सुभग, मनीषा सहित दर्जनो ग्रामीणों ने लिखित शिकायत करके कोटेदार के खिलाफ कार्यवाही करने की मांग की है। इस संबंध में जिला खाद्य अधिकारी सिद्धार्थनगर राजू पटेल ने कहा कि हमें इस तरह की कोई शिकायत पत्र नहीं मिला है मिलने पर संबंधित के खिलाफ जरूरी कार्यवाही की जाएगी।

## वोटर लिस्ट में नाम बढ़ाने को लेकर लगा कैम्प

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद

गिरी,प्रदेश प्रवक्ता शैलेश यादव व राकेश कुमार डोम व जिला अध्यक्ष अम्बिकेश श्रीवास्तव के निर्देश पर शोहरतगढ़ विधान के ग्राम सभा कोइलीघाट मे वोटर लिस्ट में नाम बढ़ाने व बूथ रक्षक नियुक्त करने के लिए कैम्प लगाया गया। कार्यक्रम को निर्देशित करते हुए प्रदेश सचिव शुभांगी द्विवेदी द्वारा बताया गया कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार समाजवादी युवजन सभा लगातार 14 तारीख से लेकर 24 सितम्बर तक पूरे जनपद के 5 विधान सभा के प्रत्येक बूथ तक जा कर जिन लोगो के नाम वोटर लिस्ट में नही है उनका नाम बढ़ाया जाएगा व बूथ रक्षक की नियुक्ति की जाएगी।कार्यक्रम का नेतृत्व जिला महासचिव राकेश दुबे,जिला सचिव प्रभु चौधरी,कुलदीप कुमार,सदस्य मनोज मिश्रा,मीडिया प्रभारी सूरज भास्कर,सदस्य गोविंद व अन्य साथी मौजूद रहे।

# सम्पादकीय

**दरअसल पार्टी कॉडर आधारित है, नेता को पद से हटाते ही कश्डर उससे अलग हो जाता है। फिर भाजपा के नेताओं को पता है कि नरेंद्र मोदी आज भी वोट जुटाऊ नेता हैं, ऐसे में विरोध से कुछ हासिल नहीं होगा। ऐसे में हटाये जाने वाले नेता भी केंद्रीय नेतृत्व के सुर में सुर मिलाते ...**

## पटेल को कमान

विजय रूपाणी के इस्तीफे के बाद गुजरात में नये नेतृत्व को लेकर लगाये जा रहे कयास रविवार को तब खत्म हो गये जब गांधीनगर में विधायक दल की बैठक में भूपेंद्र पटेल को नेता चुना गया। उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ ले भी ली। पूर्व मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल के करीबी माने जाने वाले भूपेंद्र पटेल उनकी ही सीट घाटलोडिया से विधायक हैं। हालांकि, रूपाणी कहते रहे हैं कि पार्टी के भीतर जिम्मेदारियां बदलती रहती हैं और राज्य की विकास यात्रा नये ऊर्जावान नेतृत्व में चलनी चाहिए, लेकिन उनके हटाये जाने के गहरे निहितार्थ हैं। पार्टी नेतृत्व को लगा कि भले ही रूपाणी राज्य में सरकार ठीक–ठाक चला रहे हों, लेकिन अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी की नैया शायद ही पार लगा पायें।

पिछले दिनों सूरत स्थानीय निकाय चुनावों में आप की अप्रत्याशित कामयाबी ने पार्टी को चिंतित किया था। दूसरे रूपाणी जैन समाज से आते थे जो राज्य में सिर्फ दो फीसदी जनाधार रखता था। वहीं राज्य की राजनीति में वर्चस्व रखने वाला नाराज पाटीदार समुदाय पार्टी में बड़ी भूमिका चाह रहा था। दरअसल, हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल में पुराने चेहरे बदलकर नये चेहरों को दायित्व देने का जो सिलसिला शुरू हुआ था, उसे ही राज्यों में दोहराया जा रहा है। पार्टी उसी नेता पर दांव लगा रही है जो आगामी चुनावों में पार्टी को जितवाने का दमखम रखता हो। यानी पार्टी जनता के मूड को भी भांप रही है।

अभी डेढ़ माह पूर्व कर्नाटक के दिग्गज नेता बीएस येदियुरप्पा को भी पार्टी ने मुख्यमंत्री पद से हटा दिया था। वैसे ही उत्तराखंड में तीरथ सिंह रावत को कुर्सी पर ठीक से बैठने से पहले ही हटा कर युवा पुष्कर सिंह धामी को राज्य की बागडोर सौंप दी गई। तीरथ सिंह रावत को मार्च में त्रिवेंद्र सिंह रावत को हटाकर कुर्सी सौंपी गई थी। असम में भी सर्बानंद सोनोवाल की जगह हिमंत बिस्वा सरमा को सीएम बनाया गया। वहीं उत्तर प्रदेश में भी योगी आदित्यनाथ को हटाने की अटकलें थीं, लेकिन पार्टी ने बाद में महसूस किया कि वे चुनाव जितवाने वाले नेता हैं।

फिर पार्टी ने उन्हें मजबूत किया। दरअसल, बदलाव का एक तर्क यह भी है कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व मजबूत स्थिति में है। हटाये जाने वाले नेता विरोध की स्थिति में नहीं हैं। दरअसल पार्टी कॉडर आधारित है, नेता को पद से हटाते ही कॉडर उससे अलग हो जाता है। फिर भाजपा के नेताओं को पता है कि नरेंद्र मोदी आज भी वोट जुटाऊ नेता हैं, ऐसे में विरोध से कुछ हासिल नहीं होगा। ऐसे में हटाये जाने वाले नेता भी केंद्रीय नेतृत्व के सुर में सुर मिलाते नजर आते हैं। कहीं न कहीं पार्टी की यह सोच भी है कि पार्टी के खिलाफ जनता के रुझान को वह नेतृत्व परिवर्तन से खत्म कर सकती है। फिर गुजरात तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृहमंत्री अमित शाह का गृह राज्य है, ऐसे में पार्टी वहां आसन्न चुनाव में किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहती।

## नये से खुद को संवारे

अमूल शर्मा

आप अपने कार्यों से कुछ नया सीखें। आपका शरीर और दिमाग स्वस्थ रहे। सामान्य जीवन का यह नियम है कि कुछ पाने से पहले हमें कुछ देना होता है। अधिकतर लोग इन्वेस्टमेंट का मतलब केवल पैसे को बैंक, म्यूचुअल फंड, शेयर मार्केट या रियल एस्टेट आदि में इन्वेस्ट करना ही समझते हैं। पर इन्वेस्टमेंट का यह नजरिया छोटा हैज। हमें अपने नजरिये को कुछ और गहरा करना होगा। कहां निवेश करें। दोस्तो, वो जगह कोई और नहीं बल्कि आप खुद हैं। आपको अपने शरीर और दिमाग पर अपना कुछ समय और पैसा लगाना होगा। अच्छी किताबों पर निवेश कीजिये। सफल लोगों के पूरे जीवन का निचोड़ किताबों में होता है। किताबें हमें उन मूल्यों को सिखाती हैं जो हम अपने अनुभव से नहीं सीख सकते। सेमिनार और वेबिनार ज्वॉइन कीजिये। आजकल तो इंटरनेट पर वेबिनार भी बहुत और अच्छे स्तर के होते हैं। आप इन वेबिनार को अपने घर बैठे ज्वॉइन कर सकते हैं। कहा जाता है कि आपके पास जितनी ज्यादा स्किल्स होंगी, उतनी ज्यादा आपकी गुणवत्ता बढ़ जाएगी। पर्सनल फाइनेंशियल नॉलेज पर निवेश कीजिये। करोड़ों लोग ऐसे हैं जो पैसा कमा तो लेते हैं, लेकिन उसे संभालना हर किसी को नहीं आता। पर्सनल फाइनेंस पर यदि आप थोड़ा भी निवेश करते हैं तो आपको उसके कई गुना अच्छे रिजल्ट्स देखने को मिलेंगे।

याद रखिये कि पर्सनल फाइनेंस एक ऐसा खेल है, जिसमें आपकी जितनी ज्यादा प्रैक्टिस होगी, आप जीवन के उतने ही ज्यादा मैच जीत सकेंगे। एक प्रसिद्ध कथन है–पहला सुख निरोगी काया, दूसरा सुख है माया (पैसा)। इस कथन में निरोगी काया अर्थात् सेहत को पैसे से ज्यादा अहमियत दी गयी है। यह सच भी है क्योंकि ऊपर बताये गए सभी निवेश तभी अच्छा रिटर्न देंगे जब आपकी सेहत अच्छी होगी। इसलिए आपको अपनी सेहत पर ध्यान देना ही चाहिए। इसके लिए आप जिम की सदस्यता ले सकते हैं, किसी अच्छे शिक्षक से ध्यान सीख सकते हैं। किसी अच्छे विशेषज्ञ से अपना डाइट चार्ट बनवा सकते हैं। वास्तविक स्वास्थ्य का मतलब केवल बीमार न होना नहीं है बल्कि आपको अपनी सेहत ऐसी बनानी चाहिए, जिससे आपका ऊर्जा स्तर सामान्य व्यक्ति से ऊपर रहे और आपकी उत्पादकता बाकी लोगों से ज्यादा हो। दोस्तो, ऊपर बतायी गयी किसी भी चीज पर यदि आप निवेश करते हैं तो इसका मतलब है कि आप खुद पर निवेश करते हैं। आप इन्हीं निवेश की वजह से वह सभी कुछ हासिल कर सकते हैं जो आज तक आपका सपना है।

## असहनशीलता के दौर में रिश्तों का कत्ल

**समाज में अपराध हैं तो दिखा रहे हैं। लेकिन अपराध को ग्लैमर की शक्ल में पेश करना, अपराधी को किसी हीरो की तरह से दिखाना, इन दिनों न केवल फिल्मों बल्कि समाज में भी दिखाई देता है। तभी तो हर राजनीतिक दल अपराधियों को अपने दल में खुशी–खुशी जगह देता है। वे चुनाव जीतते भी हैं और अपराध कैसे खत्म हों, इसके लिए कानून बनाते हैं। ऐसे में अपराध के प्रति डर का भाव खत्म हो ...**

क्षमा शर्मा

एक महिला ने ऑनलाइन पढ़ाई ठीक से न करने के कारण अपने साढ़े तीन साल के बच्चे को तकिए से गला घोंटकर मार डाला। फिर खुद भी आत्महत्या कर ली। एक पिता नौकरी चले जाने के कारण अवसाद में था, इसलिए अपने दो बच्चों को मार डाला। आत्महत्या करने से पहले सुसाइड नोट लिखा और जान दे दी। एक लड़के ने जायदाद के विवाद में अपने पिता और बड़े भाई की हत्या कर दी। एक पति ने अपनी पत्नी की हत्या की और खुद थाने जा पहुंचा। लेकिन सबसे ज्यादा हैरतअंगेज कहानी पंद्रह साल की एक लड़की की है। यह लड़की अपने माता–पिता से इसलिए नाराज थी कि वह डाक्टर नहीं बनना चाहती थी और माता–पिता उसे डाक्टर बनाना चाहते थे। वह बार–बार अपनी नापसंदगी के बारे में बता चुकी थी, मगर किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। लड़की नाराज होकर अपने चाचा के घर रहने चली गई थी। मां वहां से समझा–बुझाकर वापस ले आई थी। उसने घर वालों को पुलिस से शिकायत करने की ध ामकी भी दी थी। एक दिन मां उसे पुलिस स्टेशन भी ले गई थी। वहां पुलिस वालों ने दोनों को समझा–बुझाकर घर भेज दिया। फिर एक दिन मां ने जब पढ़ाई न करने के लिए लड़की को डांटा तो वह इतनी गुस्से में आ गई कि उसने कराटे बैल्ट से मां का गला घोंट दिया। सोचिए मां का कुसूर इतना भर था कि वह लड़की को अच्छी तरह से अपने पांव पर खड़ा करना चाहती थी। लेकिन उसकी गलती यह थी कि लड़की की रुचि की तरफ ध्यान नहीं दिया। ये सारी घटनाएं कुछ ही दिनों की हैं। ऐसे में ये सोचना पड़ता है कि आखिर एक साल में अपने देश में ऐसी कितनी घटनाएं होती होंगी। और मारने के कारण भी कैसे–कैसे। एक साढ़े तीन साल के बच्चे को क्या पता कि पढ़ाई क्या होती है। उन नन्हे बच्चों को इस बात का अहसास कैसे होता कि उनका पिता ही उन्हें मार देगा। या कि क्या वह मां कभी सोचती होगी कि जिस लड़की को वह डाक्टर बनाना चाहती है, वह ही एक दिन उसकी जान ले लेगी। सफलता पाने की लालसा, जमीन–जायदाद पर कब्जा, किसी और की सफलता को देखकर अपने बच्चों पर पढ़ाई का दबाव। वे क्या पढना चाहते हैं इसे न जानकर उन पर अपनी इच्छा थोपना। उन्हें वह बनाने की सोचना जो माता–पिता खुद न बन सके। बच्चों के जरिए अपने सपनों को पूरा करना भी तो जायज है। ऐसे में कई बार कितना अघट भी घटता है। कितनी हिंसा भी होती है। पंद्रह साल की उस लड़की को मां क्यों नहीं समझ सकी। अगर लड़की डाक्टर बनना नहीं चाहती थी तो क्यों नहीं उसकी बात मान ली। कोई कह सकता है कि पंद्रह साल की लड़की अपने भविष्य के बारे में शायद सही फैसला न कर सके। ये हो भी सकता है और नहीं भी। क्योंकि इन दिनों बच्चे भी उसी सूचना–समाज में रहते हैं, जिसमें हम बड़े। वे भी रात–दिन टीवी देखते हैं। उनके हाथ में भी मोबाइल, लैपटाप और कम्प्यूटर हैं। वे भी सोशल मीडिया पर हैं। ऑनलाइन कक्षाओं में पढने के कारण उनका स्क्रीन टाइम भी बढ़ा है। अपने देश में फेसबुक की दुनिया में सबसे अधिक बच्चे हैं। वे पोर्न भी बड़ी संख्या में देखते हैं। ऐसे में उन्हें पहले जैसा बच्चा मानना असलियत से अनदेखी भी है। पहले लड़के–लड़कियां बीए, एमए कर लेते थे और उन्हें नहीं पता होता था कि भविष्य में क्या करना है। अब ऐसा नहीं है। सातवीं–आठवीं तक आते–आते बच्चों की करिअर काउंसलिंग की जाने लगती है। इसलिए यह सोचना कि पंद्रह साल की लड़की को क्या पता सही नहीं है। साढ़े तीन साल के बच्चे की वह मां पढ़ी–लिखी रही होगी। उसे इस बात की भी चिंता रही होगी कि बच्चा पढ़ेगा नहीं तो क्या करेगा। लेकिन अपने नन्हे बच्चों पर इतना क्रोध कि माता–पिता ही उन्हें मारने लगें। कहां तो घरों या स्कूलों में बच्चों के प्रति हिंसा न हो, की बातें लगातार होती हैं और कहां उनका कत्ल। पिता की नौकरी चली गई तो बच्चों को मार दिया। आखिर क्यों। क्या यह लगा कि नौकरी नहीं तो हाथ में पैसा भी नहीं। बच्चों की पढ़ाई–लिखाई आदि की जिम्मेदारी कैसे निभाएगा। कारण जो भी हो, मगर किसी की जान लेना अपराध है। आखिर इतनी नृशंसता आ कहां से रही है, जहां गुस्से में अच्छा–बुरा भी दिखाई नहीं दे रहा। जिस पिता ने अपने बच्चों को मारा या जिस लड़की ने अपनी मां को, पति ने पत्नी को या पत्नी ने पति को, क्या एक बार भी यह ख्याल नहीं आया कि बाद में क्या होगा। परिजन जीवन से गए यह तो है ही, अपनी जिंदगी भी गई। फांसी होगी या जेल में रहेंगे। वहां से छूटे भी तो क्या किसी अपने की ही हत्या के अपराधबोध से जीवनभर मुक्त हो सकेंगे। आखिर हमारी सहनशीलता और धैर्य को क्या हुआ। अच्छे–बुरे का फर्क ऐसे कैसे मिट गया। या कि बुरे के प्रति जो एक डर का भाव होता था, वह समाज से तिरोहित हो गया है। इसमें हमारे प्रचार माध यमों का भी बड़ा हाथ है। और सोशल मीडिया की तो पूछिए ही मत। जब इस तरफ इनसे जुड़े लोगों का ध्यान दिलाया जाता है, तो वे बड़ी मासूमियत से कहते हैं कि हम तो वही दिखा रहे हैं जो समाज में हो रहा है। समाज में अपराध हैं तो दिखा रहे हैं। लेकिन अपराध ा को ग्लैमर की शक्ल में पेश करना, अपराध ी को किसी हीरो की तरह से दिखाना, इन दिनों न केवल फिल्मों बल्कि समाज में भी दिखाई देता है। तभी तो हर राजनीतिक दल अपराधियों को अपने दल में खुशी–खुशी जगह देता है। वे चुनाव जीतते भी हैं और अपराध कैसे खत्म हों, इसके लिए कानून बनाते हैं। ऐसे में अपराध के प्रति डर का भाव खत्म हो जाता है। कहीं यह सोच भी बन जाती है कि पकड़े गए तो छूट भी जाएंगे। लेकिन बाहर के अपराधियों को क्या कहें, जब अपनों के प्रति अपने ही हत्या जैसे अपराधों को अंजाम देने लगें। माता–पिता बच्चों की, बच्चे माता–पिता की जान लेने लगें।

## लाभकारी खेती की दिशा में एक और कदम

**सरकार यह कोशिश कर रही है कि किसानों को बिचौलियों से मुक्ति मिले और वे अपनी उपज अन्य जिलों और दूसरे राज्य में बेच सकें जिससे उन्हें अपनी उपज का अधिकतम लाभ मिले। कृषि उत्पाद की अश्नलाइन ट्रेडिंग प्लेटफार्म के लिए राष्ट्रीय कृषि बाजार अर्थात ईनाम की व्यवस्था से किसानों को बेहतर कीमत और सुचारू विपणन की सुविधा उपलब्ध कराई गयी है। वास्तव में अब ...**

डॉ. सुशील त्रिवेदी''

केन्द्र सरकार ने रबी फसलों के अंतर्गत गेहूँ, रेपसीड, सरसों, मसूर, जौ और कुसुम फूल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित कर दिये हैं। यह घोषणा कई दृष्टिओं से महत्वपूर्ण है। सबसे पहली बात तो यही है कि अभी खरीफ फसल की कटाई शुरू नहीं हुई है और रबी फसल को बोने जाने के लिए पर्याप्त समय है। इसका अर्थ यह है कि सरकार यह चाहती कि किसान रबी फसल बोने के पहले यह जान लें कि वर्ष 22–23 में किस फसल के लिए क्या न्यूनतम मूल्य होगा और यह जानकर वे निर्णय ले कि उन्हें कौन सी फसल लेने में ज्यादा फायदा है। दूसरी बड़ी बात यह है कि इस समय बाजार में सरसों, रेपसीड और मसूर की दाल के मूल्य ऐतिहासिक ऊँचाई पर हैं और किसान इस स्थिति का लाभ लेकर पारंपरिक खाद्यान्न की उपज लेने से कुछ हटकर तिलहन और दलहन की उपज लेने का निर्णय ले सकता है। इस बार सरकार ने पिछले वर्ष की तुलना में न्यूनतम समर्थन मूल्य गेहूँ के लिए मामूली तौर पर 2 प्रतिशत ज्यादा, दाल के लिए 7.8 प्रतिशत ज्यादा और तिलहन के लिए 8.6 प्रतिशत ज्यादा बढ़ायें हैं। मसूर की दाल, रेपसीड और सरसों के मूल्य में सबसे अधिक बढ़ोतरी चार सौ रूपये प्रति क्विंटल की गई है। चने के मूल्य में एक सौ तीस रूपये प्रति क्विंटल और कुसुम के फूल के मूल्य में एक सौ चौदह रूपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी की गई है। गेहूँ का मूल्य चालीस रूपये प्रति क्विंटल और जौ का पैंतीस रूपये प्रति क्विंटल मूल्य बढ़ाया गया। न्यूनतम समर्थन मूल्य इस तरह निर्धारित किए गए हैं जिससे किसानों को उनकी फसल के लिए उत्पादन लागत को देखते हुए अधिकतम कीमत मिले। उत्पादन लागत का विचार करते समय मजदूरी, बैल या मशीनों से जुताई, भूमि के किराये, बीज, खाद, सिंचाई, डीजल, बिजली आदि के खर्चों को तो शामिल किया ही गया है, बड़ी बात यह है कि इसमें परिवार के द्वारा किये जाने वाले श्रम के मूल्य को भी ध्यान में रखा गया है। कोशिश यह की गई है कि किसान खेती पर जितना खर्च करता है उससे उसको अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इस तरह गेहूँ, रेपसीड और सरसों के उत्पादन से 100 प्रतिशत लाभ, चना के उत्पादन से 74 प्रतिशत लाभ, जौ के उत्पादन से 60 प्रतिशत लाभ और कुसुम के फूल के उत्पादन से 50 प्रतिशत लाभ होने का अनुमान है। इस कदम का एक उद्देश्य यह भी है कि तिलहन, दलहन और मोटे अनाज के न्यूनतम समर्थन मूल्य में एकरूपता लाई जाए ताकि इन फसलों की खेती बढ़ सके। सरकार का एक और प्रयास यह है कि खाद्य तेलों का घरेलू उत्पादन बढ़े और उसके आयात पर निर्भरता कम हों। इस लिहाज से किसानों को तिलहन का उत्पादन बढ़ानें को प्रेरित किया जा रहा है। कृषि उत्पादन के मामले में भारत का विश्व में स्थान दूसरा है। पिछले कुछ समय में भारत की औद्योगिक और अन्य क्षेत्रों में तीव्र प्रगति के कारण जीडीपी में कृषि का योगदान कम होता जा रहा है। इस समय भारत की जीडीपी में कृषि का योगदान लगभग 15 प्रतिशत है। बहरहाल, यह गौर करने की बात है कि कोविड महामारी के दौरान जब पूरी अर्थव्यवस्था नीचे जा रही थी तब कृषि के क्षेत्र में जीडीपी 3.4 प्रतिशत बढ़ी थी। यह कठोर सच्चाई यह सिद्ध करती है कि भारतीय अर्थव्यवथा में कृषि का महत्व सर्वोपरि है। इतना ही नहीं, भारत की सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में भी कृषि और कृषक का स्थान अत्यंत सम्माननीय है। बहरहाल, इस स्थिति का एक विरोधाभासी पहलू यह है कि हमारे कृ षकों में 82 प्रतिशत लघु और सीमांत कृ षक हैं जो अपने खेतों के छोटे–छोटे आकार, बाजार की अनिश्चितता, बिचौलियों के कुचक्र और राज्यों के विपणन संबंधी कानूनों के मकडजाल के कारण गरीबी से उबर नहीं पाते हैं। और यहीं कारण है कि यह वर्ग हमारे समाज का सबसे शोषित और पीडिघ्त वर्ग है। इधर पिछले सात सालों में केन्द्र सरकार ने आम तौर पर सभी कृषकों की आर्थिक मजबूती के लिए कदम उठाएं हैं। बहरहाल, सरकार के इन कदमों का प्रमुख उद्देश्य लघु और सीमांत किसानों को अधिकतम सुविधा उपलब्ध कराना है जिससे वे शोषण और गरीबी से मुक्त हो सकें। केन्द्र सरकार ने किसानों की औसत आय को सन् 2022 तक दोगुना करने का अपना लक्ष्य बनाया है। और इस लक्ष्य को पाने के लिए बहुआयामी और समावेशी कदम उठाए जा रहे हैं। कृषि से आय को बढ़ाने के लिए जो रणनीति अपनायी गई है उसमें फसलों की उत्पादकता बढ़ाने, पशुधन की उत्पादकता बढ़ाने, कृषि पर लगने वाली लागत को घटाने और उसकी क्षमता को बढ़ाने, फसल की सघनता को बढ़ाने, नगद फसल लेने पर जोर देते हुए फसल चक्र को परिवर्तित करने और किसानों को मिलने वाले फसल के मूल्य को बढ़ाने पर ध्यान दिया जा रहा है। किसानों को फसल का लाभकारी मूल्य मिल सके इसके लिए उसके विपणन की व्यवस्था को भी सुधारने का लक्ष्य है। यह उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार ने श्प्रध ानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियानश 2018 में शुरू किया है इसके तहत किसानों को मूल्य समर्थन योजना, मूल्य न्यूनता भुगतान योजना और निजी खरीद और स्टॉकिस्ट योजना को शुरू किया गया है। यह उम्मीद की जा सकती है कि रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि करने से कृषकों का आर्थिक स्तर बेहतर होगा और उनका खेती किसानी में भरोसा मजबूत होगा। इसी परिप्रेक्ष्य में केन्द्र सरकार ने कुछ ठोस और भी नवाचारी उपाय किये हैं। इन उपायों में सतत् कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, परम्परागत कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और सूक्ष्म सिंचाई कोष जैसी योजनाएँ शामिल है। इनके अतिरिक्त, किसानों को सीधा लाभ पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना चल रही है जिसके तहत लघु और सीमांत किसानों को छरू हजार रूपये प्रति वर्ष की राशि, सीधे उनके खाते में, उपलब्ध करायी जा रही है। इसी क्रम में भारत सरकार ने पिछले वर्ष ऐतिहासिक महत्व के तीन बड़े कदम उठाए हैं। इन कदमों का उद्देश्य यह है कि किसानों को उनकी उपज का अधिकतम लाभ मिल सके और भारत की कृषि अर्थ व्यवस्था का रूपान्तरण हो सके। देश में कृषि उपज भण्डारण की क्षमता कम होने के कारण जल्दी खराब होने वाले कृषि उत्पाद बर्बाद होते हैं और तत्काल बेचने की मजबूरी के कारण किसानों को कम मूल्य मिलता है। सरकार कोशिश यह कर रही है कि कृषि के क्षेत्र में निजी और विदेशी निवेश बढ़ाया जाये जिससे कि नए, बड़े और बेहतर तकनीक वाले कोल्ड स्टोरेज मिल सकें। यह विदित है कि देश में अधिकांश किसान लघु और सीमान्त किसान की श्रेणी में आते हैं जिनके लिए खेती लाभदायी नहीं हो पाती। ऐसे किसानों को न तो उन्नत कृषि प्रणाली के प्रयोग की सुविधा मिलती है, न सिंचाई और न ऋण संबंधी सुविधाओं का अधिकतम लाभ। लघु और सीमांत किसानों को इस परेशानी से बचाने के लिए अनुबंध के आधार पर खेती की व्यवस्था शुरू करने का विचार है। अभी किसानों को अपनी उपज अपने जिले से बाहर बेचने की सुविधा नहीं है।

## प्रशिक्षण के बाद ग्राम प्रधान देंगे परीक्षा

देवरिया। जिले के ग्राम प्रधानों को विकास कार्य व अन्य कार्य के लिए बुधवार से एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद ग्राम प्रधानों की परीक्षा कराई जाएगी। जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन ने गूगल मीट के माध्यम से तैयारियों की समीक्षा की। कहा कि इस प्रशिक्षण के दौरान पंचायती राज व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं से प्रधानों को अवगत कराया जाएगा। जिसमें प्रधान के कर्तव्य, अधिकार, केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजना, ई-गवर्नेस, आइजीआरएस, आनलाइन पोर्टल समेत अन्य के बारे में जानकारी दी जाएगी। एक दिन में केवल 50 प्रधानों को ही प्रशिक्षित किया जाएगा। पंचायती राज व्यवस्था से संबंधित लघु फिल्म भी ग्राम प्रधानों को दी जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी रवींद्र कुमार, जिला विकास अधिकारी श्रवण कुमार राय, बीडीओ कार्तिकेय मिश्र, मीना सिंह, आलोक सिंह, मनोज श्रीवास्तव, जेपी सिंह जुड़े रहे।

## प्रधानमंत्री ने हम सभी के सपनों को किया साकार

देवरिया। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष अस्मिता चंद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हम सभी के सपनों को साकार किया। हर घर में रसोई गैस कनेक्शन दिए। भाजपा सरकार की देन है कि आज राम मंदिर का सपना साकार हो रहा है। वह जिला पंचायत सभागार में भाजपा के विधानसभा क्षेत्र के प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित कर रही थीं। कहा कि मोदी सरकार ने सभी गांवों में बिजली मुहैया कराकर रोशन किया। सदर विधायक डा. सत्यप्रकाश मणि त्रिपाठी ने कहा कि समाज को सही दिशा देने में प्रबुद्ध वर्ग की अहम भूमिका है। अध्यक्षता कार्यक्रम के जिला प्रभारी अजय कुमार दूबे व संचालन दिनेश त्रिपाठी ने किया। भाजपा के बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के जिला संयोजक नित्यानंद पाण्डेय, भाजपा जिलाध्यक्ष अंतर्यामी सिंह, डा. प्रदीप राव, प्रेमशंकर श्रीवास्तव, अरुण उपाध्याय, रामनिवास पांडेय, गंगा कुशवाहा, प्रमोद शाही, संजय सिंह एडवोकेट, श्रीनिवास मणि, अंबिकेश पांडेय, हरेंद्र जायसवाल, निर्मला गौतम, रामाज्ञा चौहान, अभयनाथ त्रिपाठी, श्रीराम तिवारी, नरेंद्र तिवारी आदि मौजूद रहे।

## समाज को प्रभावित करने की होती है क्षमता:

देवरिया। लार बाइपास स्थित मैरेज हाल में भाजपा विधानसभा सलेमपुर का प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन का आयोजन किया गया। पंचायत प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक रमेश सिंह ने पं. दीनदयाल उपाध्याय व डा. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि समाज को प्रभावित करने की क्षमता प्रबुद्ध वर्ग में होती है। जब तक देश की बागडोर मोदी के हाथों में है, तब तक देश की संप्रभुता, अखंडता व सुरक्षा की तरफ कोई भी देश आंख उठाकर नहीं देख सकता। सांसद रविंदर कुशवाहा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पार्टी अपने सर्वोच्च शिखर पर है। उसमें कार्यकर्ताओं के साथ प्रबुद्धजन का योगदान है। विधायक काली प्रसाद, जिला उपाध्यक्ष अजय दुबे ने संबोधित किया। संयोजक डा. श्यामसुंदर सिंह, रत्नेश कुमार मिश्र, रामदास मिश्र, कन्हैयालाल जायसवाल, संजय दुबे, जितेंद्र सिंह,संजय कुशवाहा, त्रिपुणायक विश्वकर्मा, अभिषेक जायसवाल, निर्मला गौतम, सुशील शाही, बचनदेव गोंड,हाकिम सिंह, पुनीत शाही, सुनील सनेही, मिथिलेश बाबा, अमूल सिंह आदि उपस्थित रहे।

## मरीजों की भीड़ के सामने बेबस हुए डाक्टर, दवाओं का संकट बरकरार

देवरिया। महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज से संबद्ध जिला अस्पताल में बुखार व वायरल फीवर के मरीजों की भीड़ उमड़ पड़ी। भीड़ के सामने डाक्टर बेबस नजर आए। ओपीडी के सामने डाक्टरों को दिखाने के लिए मरीजों में धक्का-मुक्की होती रही। कई वरिष्ठ डाक्टरों के नहीं आने से जूनियर डाक्टरों ने मरीजों का इलाज किया। सर्वाधिक परेशानी हड्डी रोग विभाग में मरीजों को उठानी पड़ी। जिला अस्पताल में पांचवें दिन भी दवाओं का संकट दूर नहीं किया जा सका। बाल रोग विभाग में डा. एचके मिश्र ने मरीजों को देखा। दंत रोग विभाग में भी मात्र एक डाक्टर अजीज खां, चेस्ट व टीबी रोग विभाग में डा. प्रतीक केजरीवाल, सर्जरी विभाग में डा. राहुल देव, डा.मनीष नायक, चर्म रोग विभाग में डा. अजीत पाल, डा. सुमित राय, मेडिसिन विभाग में डा. विजय गुप्त ने मरीजों का इलाज किया। नाक, कान, गला रोग विभाग से डाक्टर गायब रहे। हड्डी रोग विभाग में डा. पीएन कन्नौजिया व डा. एके सिंह ने मरीजों का इलाज किया। यहां दो अन्य डाक्टरों के नहीं रहने से मरीजों को परेशानी उठानी पड़ी। स्ट्रेचर के अभाव में मरीजों को तीमारदार टांग कर ले जाते दिखे। अस्पताल में दवाओं की कमी पांचवें दिन भी रही। बुखार के मरीजों की संख्या सबसे अधिक रही। जिला अस्पताल में पांचवें दिन भी पैरासिटामाल के अलावा दर्द व गैस समेत अन्य रोग की दवाइयां नहीं मिलीं। पीआइसीयू व चिल्ड्रेन वार्ड अभी भी मरीजों से पटा पड़ा है। दुर्व्यवस्था व दवाओं की कमी के बीच मरीजों का इलाज किया जा रहा है।

## संक्रामक बीमारियों के इलाज में न हो लापरवाही

महराजगंज। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निचलौल का एसडीएम प्रमोद कुमार ने दोपहर करीब एक बजे पहुंच कर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीएम ने अस्पताल के उपस्थिति पंजिका इमरजेंसी वार्ड सहित कई बिंदुओं पर अधिकारियों से जानकारी ली। उसके बाद जिम्मेदारों को संक्रामक बीमारियों के प्रति सतर्क रहने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम प्रमोद कुमार ने कहा कि संक्रामक बीमारियों को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थित इमरजेंसी वार्ड, दवा स्टोर रूम, पैथोलाजी लैब, प्रसूति गृह, उपस्थित पंजिका रजिस्टर सहित अन्य बिंदुओं पर जांच कर गहनता से जानकारी ली गई। इस दौरान सभी व्यवस्थाएं ठीक मिलीं। वहीं अस्पताल के सभी जिम्मेदार उपस्थित मिले। मौके पर इन्होंने मरीजों में मेडिकल किट के सुचारू वितरण का भी निर्देश दिया। सीएचसी अधीक्षक डा. राजेश द्विवेदी सहित अस्पताल के कर्मचारी मौजूद रहे।

# आठ खंड विकास अधिकारियों को सीडीओ ने लगाई फटकार

देवरिया। मुख्य विकास अधिकारी रवींद्र कुमार ने .गूगल मीट के माध्यम से विकास कार्यों की समीक्षा की। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में लापरवाही बरतने पर आठ खंड विकास अधिकारियों को फटकार लगाई। पांच दिन के अंदर प्रगति में सुधार न होने पर आरोप पत्र जारी करने की चेतावनी दी। समीक्षा में पाया गया कि 89 फीसद से कम प्रगति आठ ब्लाकों में है। कार्य खराब पाए जाने पर भागलपुर की बीडीओ मीना सिंह, भटनी के नवीन सिंह, देवरिया के कृष्णकांत राय, देसही देवरिया के ओमप्रकाश, लार के अशोक पांडेय, पथरदेवा के आलोक सिंह, रामपुर कारखाना के कुमार कार्तिकेय मिश्र व सलेमपुर के ज्ञान प्रकाश को फटकार लगाई। सामुदायिक शौचालय के निर्माण में लापरवाही मिलने पर एडीओ पंचायत पथरदेवा दशरथ सिंह, सलेमपुर अनिलधर द्विवेदी, बनकटा उदित नारायण, भटनी छेदी प्रसाद को दूसरी बार कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। स्वयंसहायता समूहों को शौचालय को हस्तांतरण न करने पर भटनी के एडीओ पंचायत छेदी प्रसाद व गौरीबाजार के एडीओ पंचायत अंबिका प्रसाद को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। पंचायत भवन निर्माण में गड़बड़ी पाए जाने पर बैतालपुर, भटनी, भाटपाररानी, पथरदेवा, रामपुर कारखाना, रुद्रपुर के खंड विकास अधिकारी व एडीओ पंचायत को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। आनलाइन शादी अनुदान में विकास खंड स्तर पर डोंगल लगाए जाने के सबसे अधिक मामले बनकटा, भागलपुर, भाटपाररानी, देवरिया सदर, देसही देवरिया, गौरीबाजार, लार, रामपुर कारखाना, रुद्रपुर, सलेमपुर में लंबित होने पर खंड विकास अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया। मोटरसाइकिल पर गूगल मीट से जुड़ने पर नोटिस जारीः भागलपुर के एडीओ रामनिवास मोटरसाइकिल पर बैठे-बैठे ही गूगल मीट से जुड़ गए। इस पर सीडीओ ने फटकार लगाई और कारण बताओ नोटिस जारी किया।

# ब्राह्मी लिपि से निकली देवनागरी हम सभी के लिए ब्रह्मा तुल्य

देवरिया। पूर्व पुलिस महानिरीक्षक (आइजी) डा.अजीत कुमार सिंह ने कहा कि देवनागरी हम सभी के लिए ब्रह्मा तुल्य है, क्योंकि यह ब्राह्मी लिपि से निकली है। इस लिपि में हिंदी, संस्कृत, उर्दू व मराठी आदि भाषाओं को व्यक्त करने की पूर्ण क्षमता है। वह .नागरी प्रचारिणी सभागार में हिंदी दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। हिंदी को बढ़ावा देने के लिए पूर्व आइजी डा.अजीत कुमार सिंह को नागरी भूषण व कवि योगेंद्र नारायण चतुर्वेदी वियोगी को नागरी श्री सम्मान से सम्मानित किया गया। एसपी डा.श्रीपति मिश्र ने कहा कि भाषा कोई भी हो, सम्मानित होती है। आज अंग्रेजी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे भाषा की दृष्टि से निर्धन हो चुके हैं। इसका कारण है कि बच्चों ने अपनी मातृभाषा हिंदी को छोड़ दिया है।

अगर यही स्थिति रही तो हिंदी धीरे-धीरे प्रादेशिक भाषा बनकर रह जाएगी। हमारे लिए हिंदी का प्रयोग बढ़ाना जरूरी हो गया है। संत विनोबा पीजी कालेज हिंदी विभाग की अध्यक्ष डा.मनसा देवी ने कहा कि हिंदी अगाध शक्ति संपन्न व जीवंत भाषा है। इसमें संप्रेषणीयता के सारे गुण विद्यमान हैं। सरकार इस भाषा के साथ छल कर रही है। नई शिक्षा नीति में हिंदी भाषा के लिए कोई स्थान नहीं है। यदि हम भाषा का प्रयोग नहीं बढ़ाएंगे तो स्थिति विकट हो सकती है। संचालन मंत्री इंद्र कुमार दीक्षित व डा.भावना सिन्हा ने किया। संयोजक पुरुषोत्तम मरोदिया, अध्यक्ष परमेश्वर जोशी, प्रेमशीला शुक्ला, डा.शोभा शुक्ला, शांति स्वरूप दुबे, ब्रजेश पांडेय, सरोज पांडेय, भृगुदेव मिश्र, वृद्धिचंद्र विश्वकर्मा, डा.दिवाकर प्रसाद तिवारी, डा.सौरभ श्रीवास्तव, कौशल कुमार मिश्र आदि मौजूद रहे।

# हिंदी के विकास के लिए सभी मिलकर करें काम

देवरिया। हिंदी साहित्य परिषद के बाबा राघवदास सभागार में . हिंदी दिवस के अवसर पर गोष्ठी आयोजित की गई। संस्था के उपाध्यक्ष ओमप्रकाश तिवारी ने कहा कि हिंदी भाषा के विकास के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। विद्यालयों में सुलेख, वाद-विवाद, कवि सम्मेलन आदि का आयोजन करना होगा। सुधाकर तिवारी ने कहा कि हिंदी साहित्य परिषद हिंदी के प्रचार प्रसार में अहम भूमिका निभाई। आज इसके कायाकल्प की जरूरत है। रामनिवास तिवारी, सत्य प्रकाश तिवारी, रत्नेश त्रिपाठी, रामचंद्र रावत, सत्यनारायण मिश्र, नित्या उपाध्याय, बृजलाल प्रसाद, पुनीत कुमार, सुमित कुमार जयसवाल, डा. सत्यप्रकाश तिवारी मौजूद रहे।

उधर नगर के सरयू विद्यापीठ परिसर में हिंदी दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि इंद्रजीत उपाध्याय ने कहा कि हिंदी भाषा देशवासियों की आत्मा है। अध्यक्षता रमेश तिवारी अंजान व संचालन अनूप पांडेय ने किया। रामेश्वर यादव, रामजी तिवारी, शारदानंद गुप्त, मुकुल उपाध्याय, शिव शंकर, श्रीनिवास पांडेय, नगमा रहमान, संगीता देवी, अभय वर्मा मौजूद रहे। बच्चों को मिला पुरस्कारः उपनगर के श्वेता कांवेंट स्कूल में हिंदी दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिता में विजयी बच्चों को प्रबंधक डा.राधेश्याम यादव ने पुरस्कृत किया। हिंदी दिवस विषय पर लेखन प्रतियोगिता में दिव्यांशी यादव व शुभम यादव को प्रथम, आदित्य जायसवाल को द्वितीय, राधिका राजभर, इचीता, दिवाकर व रागिनी को संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार दिया गया। प्रधानाचार्य आरती यादव, बलवंत यादव, धीरेन्द्र कुमार मल्ल, विपिन सिंह, प्रतिमा पांडेय, जोहरा खातून ,किरण यादव आदि मौजूद रहीं। संगोष्ठी का आयोजनः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की तरफ से मदन मोहन मालवीय पीजी कालेज में हिंदी दिवस मनाया गया। हिंदी भाषा के संवर्धन में छात्रों की भूमिका विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। डा.पवन कुमार राय, डा. दिनेश शर्मा, नगर अध्यक्ष डा. रणजीत सिंह, डा. अरुण गुप्ता, डा.ज्ञानप्रकाश, विपुल पांडेय, सूरज गुप्ता, नंदिता सिंह, ऋचा पांडेय, नीरज ठाकुर, सुजीत गौंड, अनुराग पांडेय, सच्चिदानंद पांडेय, राजनंदनी, आयुष मिश्र, अमिषा प्रजापति आदि मौजूद रहे।

# हिंदी के उत्थान का संकल्प, आयोजित हुईं विभिन्न प्रतियोगिताएं

महराजगंज । हिंदी दिवस के अवसर पर ग्रामीण क्षेत्रों में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। जहां पर सभी ने इसके उत्थान का संकल्प लिया। कई विद्यालयों प्रतियोगिताओं का भी आयोजन हुआ। जहां पर होनहारों ने अपना दमखम दिखाया। आनंदनगर संवाददाता के अनुसार परमेश्वर सिंह मेमोरियल महाविद्यालय के प्राचार्य डा.अशोक भारतीय द्वारा हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा गया कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है। इसके बिना व्यक्ति एवं राष्ट्र का विकास संभव नहीं है। साथ ही कहा कि राष्ट्र के सभी क्षेत्रों में लिखने पढ़ने में हिंदी भाषा का प्रयोग किया जाना चाहिए। महाविद्यालय के डा. ऋषि कुमार मणि त्रिपाठी, डा. पुष्पा पांडेय, डा. मुक्तेश्वरी गुप्ता, डा. अतुल किशोर शाही, श्रीदयाल वर्मा, सतीश कुमार, डा. राघवेंद्र सिंह, डा. अखिलेश डा. दिनेश पटेल, कौशलेंद्र प्रताप सिंह, डा. चंद्रिका, डा. चंद्रजीत वरुण एवं युवा मंडल अध्यक्ष रितेश कुमार यादव राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक गिरिजेश कुमार, निधि यादव आदि उपस्थित रहे। निचलौल संवाददाता के अनुसार स्थानीय सेक्रेड हार्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विश्व हिंदी दिवस पर निबंध व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा छह से कक्षा 12 तक के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रत्येक कक्षा से तीन तीन छात्र व छात्राओं का नाम प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान के लिए चयन किया गया। निबंध प्रतियोगिता में कक्षा छह से जाकिर सुहैल, बंटी व खुशी का चयन किया गया। कक्षा सात से आरोही मिश्रा, सूर्यांश जायसवाल, सौम्या केशरी का चयन किया गया। कक्षा आठ से छात्रों में अमूल्य पांडेय, अमित चौधरी, शिवम गुप्ता, छात्राओं में अनुष्का श्रीवास्तव, परिधि जायसवाल, महक सिरोही को प्रथम, द्वितीय व तृतीय चयन किया गया। मिठौली संवाददाता के अनुसार हिंदी दिवस पर पंडित काशी प्रसाद दीक्षित शिक्षण एवं प्रशिक्षण स्नातकोत्तर महाविद्यालय पकड़ी दीक्षित में गोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रबंध निदेशक अजय कुमार दीक्षित ने कहा कि हिंदी हमारी मातृभाषा है। इसका सभी सम्मान करें। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाने के लिए काका कालेलकर, मैथिलीशरण गुप्त, रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, सेठ गोविंददास और व्यवहार राजेंद्र सिंह आदि लोगों ने बहुत से प्रयास किए। हिंदी विभागाध्यक्ष जयराम प्रसाद ने कहा कि अंग्रेजी भाषा के बढ़ते चलन और हिंदी की अनदेखी को रोकने के लिए हर साल 14 सितंबर को देशभर में हिंदी दिवस मनाया जाता है। गोष्ठी को प्राचार्य योगेश कुमार दुबे ने भी संबोधित किया। विद्यालय के संरक्षक डा.अजय कुमार पांडेय, डीएलएड के प्रबंधक विवेक दीक्षित , एनडीएम एकेडमी के प्रबंधक आशीष दीक्षित, प्राचार्य योगेश कुमार दुबे, पैरामेडिकल के विभागाध्यक्ष सुशील शुक्ल, वाणिज्य संकाय के हैपी सिंह, मदन प्रसाद,दीपक मणि त्रिपाठी आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

# रोजगार, शिक्षा आदि सवालों को लेकर जनौस ने किया प्रदर्शन

बस्ती।15 सितंबर। ष्मेरा रोजगार कहाँ है ? सरकार जवाब दे। के नारे को लेकर भारत की जनवादी नौजवान सभा ने कैम्प कार्यालय से जुलूस निकाल कर तहसील पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के उपरांत प्रधान मंत्री को संबोधित 11 सूत्रीय ज्ञापन अतिरिक्त उप जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा गया। भारत की जनवादी नौजवान सभा के रोजगार ,शिक्षा ,स्वास्थ्य ,महगांई व निजीकरण के सवाल को लेकर देश व्यापी विरोध प्रदर्शन के आवाहन के क्रम में डीवाईएफआई बस्ती के साथी जिला मंत्री नवनीत यादव सहित शेषमणि,रेणुबाला,हीरालाल,विजय लक्ष्मी,नीलू गौड़,पूनम,सुरेंद्र मोहन, आनंद कुमार,दीपक दुबे के नेतृत्व में स्थानीय सीटू कार्यालय पर इकट्ठा हुए। बैनर ,झंडा ,प्ले कार्ड के साथ बारिश के बावजूद नारे बाजी करते हुए एसपी ऑफिस,दीवानी कचहरी चौराहे से होते हुए शास्त्री चौक ,जिलाधिकारी कार्यालय के सामने से गुजरते हुए तहसील परिसर में पहुंचे। वहाँ पर नुक्कड़ सभा ,नारेबाजी के बीच प्रधानमंत्री को संबोधित 11 सूत्रीय ज्ञापन अतिरिक्त उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। सभा को संबोधित करने और कार्यक्रम को सफल बनाने में श्यामू, प्रमोद,रीना,शिव चरण,राकेश,दीप नारायण मिश्र,ग्रीष कुमार मिश्र,इंद्रावती,नूर जहाँ ,नीलम,अनारा,सुनीता ,संगीता इसलावती ,गोलका ,शीला,राजेन्द्र प्रसाद, जोगेंद्र कुमार,अनिता ,किस्मती प्रमुख रही।

# गर्भवती महिलाओं को योग का प्रशिक्षण दिया गया

## कुपोषण मुक्त भारत अभियान के तहत

बड़हलगंज। आयुष हेल्थ वेलनेस सेन्टर भाटपार बनकट गया तथा उनके सामान्य स्वास्थ की जांच भी की गयी।। योग प्रशिक्षक शिव नारायण चौहान व श्वेता सिंह ने बच्चों को सूक्ष्म आसान एवम अन्य योगासन करवाया। इसी कार्यक्रम के अंतर्गत आगनबाड़ी व आशा कार्यकर्ताओं के सहयोग से भाटपार मैटरनिटी केंद्र पर गर्भवती महिलाओं को योग प्रशिक्षिका श्वेता सिंह द्वारा गर्भवती महिलाओं को गर्भवस्ता से संबंधित योग कराया गया।

के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ आशीष कुमार राय द्वारा प्राथमिक विद्यालय भाटपार पर योग शिविर का आयोजन किया गया। चतुर्थ पोषण माह कार्यक्रम के अंतर्गत कुपोषण मुक्त भारत अभियान के तहत क्षेत्रीय आयुर्वेदिक यूनानी अधिकारी डॉ प्रभा शंकर मल्ल जी के दिशानिर्देशन में शिविर में बच्चों को हाथ धोने का महत्व , दिनचर्या में स्वछता का पालन , डेंगू मलेरिया तथा कोरोना से बचाव के उपाय बताते हुए उन्हें पोषण के प्रति जागरूक किया

चिकित्साधिकारी द्वारा उनके सामान्य स्वस्थ की जांच की गई। उन्हें गर्भिणी परिचर्या से अवगत कराते हुए स्वस्थ समबन्धी सलाह ले लिए आयुर्वेद को प्राथमिकता देने का आग्रह किया गया।।तथा उन्हें भी डेंगू मलेरिया कोरोना से बचाव के उपाय से अवगत कराया गया।

# हिंदी का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें

महराजगंज। हिंदी दिवस के अवसर पर दीवानी न्यायालय के सभाकक्ष में प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय हरिनाथ पांडेय की अध्यक्षता में गोष्ठी का आयोजन किया गया। उन्होंने कहा कि हिंदी का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने एवं जागरूकता फैलाने की जरूरत है। इस अवसर पर जनपद के समस्त न्यायिक अधिकारीगण क्रमश मोटर दुर्घटना प्रतिकर न्यायाधीकरण संजय कुमार यादव, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम महेश कुमार कुशवाहा, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एससी व एसटी सुरेंद्र सिंह, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पोक्सो राजेश पराशर, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ रेखा सिंह, अपर प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय प्रथम नीरज कुमार बक्शी, अपर प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय द्वितीय काशीनाथ, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, त्वरित न्यायालय प्रथम छांगुर राम, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, त्वरित न्यायालय द्वितीय कमलेश्वर पांडेय, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सौरभ श्रीवास्तव, सिविल जज सीडि आस्था श्रीवास्तव, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राग दत्त शुक्ला, अध्यक्ष सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन महराजगंज जितेंद्र सिंह, मंत्री दिनेश कुमार गुप्ता तथा अन्य अधिवक्तागण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन श्वेता सोनी, सिविल जज, जूडि, त्वरित न्यायालय द्वितीय द्वारा किया गया।

# जिला अस्पताल पर बढ़ा मरीजों का बोझ, व्यवस्था लड़खड़ाई

महराजगंज। जिले में बच्चे संक्रमण का शिकार हो रहे हैं। जिला अस्पताल में इनकी संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। इंसेफलाइटिस वार्ड में जहां 15 बेड पर 32 बच्चे भर्ती हैं, वहीं एसएनसीयू वार्ड में 20 बेड पर 51 नवजात का इलाज चल रहा है। मरीजों का बोझ बढ़ने के कारण अस्पताल की व्यवस्था लड़खड़ा गई है। 100 बेड के जिला अस्पताल के प्रथम तल पर 15 बेड का इंसेफलाइटिस वार्ड है। इस समय इंसेफलाइटिस के साथ तेज बुखार, निमोनिया, डायरिया और सांस फूलने के मरीजों में तेजी से इजाफा हो रहा है। बच्चों को भर्ती करने की जगह ही नहीं है। एक-एक बेड पर दो-दो बच्चों को भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। और तो और तीमारदार भी मरीजों के बेड पर जमे हुए हैं। मरीजों के बढ़ने से व्यवस्था प्रभावित हो गई है। वार्ड में तीमारदारों की भीड़ लग रही है। उधर एसएनसीयू में 20 बेड है। पिछले दिनों पांच बेड खराब था। 15 बेड पर 50-50 बच्चों को भर्ती कर इलाज किया जा रहा था। यहां की दुर्व्यवस्था को लेकर दैनिक जागरण द्वारा अभियान चलाया गया। इसके बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया और पांच खराब बेड को ठीक कराया गया। अब 20 बेड पर 51 बच्चों को भर्ती किया गया है। बच्चों के आस-पास होने के कारण एक-दूसरे में संक्रमण फैलने का खतरा बना रहता है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. एके राय ने बताया कि मौसम परिवर्तन के कारण मरीज बढ़ रहे हैं। उपलब्ध संसाधन में मरीजों का इलाज किया जा रहा है। मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो, इसके लिए चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया गया है।

## पैरामाउंट निबंध प्रतियोगिता में प्राची, अमन व प्रगति ने मारी बाजी

महराजगंज। कास्मोपालिटन स्कूल में हिंदी दिवस के अवसर पर निबंध लेखन, सुलेख तथा वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें निबंध प्रतियोगिता में प्राची, अमन व प्रगति ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता में कक्षा छह से आठ के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कक्षा छह से कुमारी प्राची प्रथम, अनामिका गौतम द्वितीय तथा अंजलि यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा सात से अमन शर्मा प्रथम, संगम यादव द्वितीय, तथा देव निगम तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा आठ से प्रगति पटेल प्रथम, अंशु कन्नौजिया द्वितीय तथा रिदम रौनियार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रधानाचार्या श्वेता जायसवाल ने हिंदी के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रबंधक महेंद्र नंद जायसवाल कहा कि हिंदी हमारी राष्ट्र भाषा है, उसका सम्मान करना व प्रचार-प्रसार करना हर भारतीय नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि सुलेख तथा वाद विवाद प्रतियोगिता का परिणाम बुधवार को घोषित किया जाए। इस अवसर अध्यापिका शाहिदा, सुमन गौड़, निशा कुमारी, अर्चना तिवारी, पायल गुप्ता, रत्नेश इत्यादि अध्यापक उपस्थित रहे।

## लाटरी के माध्यम से जीडीए द्वारा निशुल्क दुकानों का आवंटन किया जायेगा

गोरखपुर 15 सितम्बर 21। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के उप घटक शहरी पथ विक्रेताओं के सहायतार्थ योजना अन्तर्गत शहरी पथ विक्रेताओं हेतु गोरखपुर विकास प्राधिकरण द्वारा नौका विहार तारा मण्डल, नया सवेरा के निकट स्थित विद्युत सब स्टेशन के बगल में 34 अदद पथ विक्रेता शेड का निर्माण कराया गया है। उक्त योजना के अन्तर्गत नया सवेरा नौका विहार के पास नो वेण्डिंग जोन में नियमित रूप से ठेला/दुकान लगा रहे पथ विक्रेता निर्धारित प्रारूप पर आवेदन तैयार कर अंतिम तिथि 25 सितम्बर तक जिला नगरीय विकास अभिकरण के पते पर पंजीकृत डाक से भेजना सुनिश्चित करें। प्राप्त आवेदनों के सत्यापन के उपरान्त पूर्ण रूप से सही पाये गये पात्र पथ विक्रेताओं का लाटरी के माध्यम से जीडीए द्वारा निशुल्क दुकानों का आवंटन किया जायेगा।

# सदस्या महिला आयोग ने किया संयुक्त जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण

- **ओपीडी में चिकित्सकों की अनुपस्थिति पर जताई नाराजगी**
- **सुनीता बंसल ने बच्चों का कराया अन्नप्राशन, महिलाओं को सुपोषण के प्रति किया जागरूक**

दैनिक बुद्ध का संदेश/प्रमोद पाण्डेय

बलरामपुर। एक दिवसीय भ्रमण के दौरान सदस्या उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग सुनीता बंसल द्वारा संयुक्त जिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया गया। इस दौरान चिकित्सकों का ओपीडी में उपस्थित न मिलने पर माननीय सदस्या द्वारा नाराजगी जताई गई एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुशील कुमार को सभी चिकित्सकों की समय से ओपीडी में उपस्थित सुनिश्चित किए जाने तथा मरीजों को चिकित्सीय परामर्श दिए जाने का निर्देश दिया गया। सदस्या द्वारा उपस्थिति पंजिका एवं शिकायत पंजिका का निरीक्षण किया गया। शिकायत पंजिका में बाहर से दवा व जॉच बाहर से लिखे जाने, अवैध वसूली, की शिकायतों पर की गई कार्वायही की जानकारी ली। उन्होंने मुख्य अधीक्षक को जिला संयुक्त चिकित्सालय को सभी कमियों को दूर करते हुए मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को अस्पताल में आने वाले मरीजों को समय से देखे जाने, प्रसूताओ को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराए जाने का निर्देश दिया।इसके उपरांत सदस्या द्वारा तहसील उतरौला सभागार में आयोजित पोषण पंचायत कार्यक्रम का फीता काटकर व दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया गया। सदस्या द्वारा लोगों को पोषण शपथ दिलाई गई तथा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई, 6 माह के बच्चों का अन्नप्राशन तथा कुपोषण से मुक्त हुए बच्चों को पुष्टाहार प्रदान किया गया।पोषण पंचायत में माननीय सदस्या द्वारा कुपोषित बच्चों, महिलाओं को पुष्टाहार विभाग द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि महिलाओं एवं बच्चों में कुपोषण एक गंभीर समस्या है जिसके सुधार के लिए बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा विविध कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं,कुपोषण को दूर करने के लिए भारत सरकार तथा प्रदेश सरकार द्वारा संयुक्त रूप से पोषण माह का आयोजन किया जा रहा। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि लड़कियां किसी भी क्षेत्र में लड़कों से पीछे नहीं है, जरूरत इस बात की है कि बिना भेदभाव के लड़कियों को भी समान अवसर मिले। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बेटियों एवं महिलाओं के उत्थान हेतु प्रतिबद्ध है ।प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के स्वावलंबन, सशक्तिकरण, सुरक्षा के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।महिलाओं एवं बेटियों को स्वावलंबी और सुरक्षा के लिए जागरूक करने के लिए मिशन शक्ति अभियान चलाया जा रहा है। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला कल्याण विभाग एवं पुलिस विभाग द्वारा गांव–गांव जाकर महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है। सदस्या ने कहा कि प्रत्येक थानों में महिला हेल्प डेस्क की स्थापना की गई है जहां पर कोई भी महिला बालिका अपनी शिकायत दर्ज करा सकती है। इसके साथ ही साथ विभिन्न सेवाएं जैसे 1090 (वूमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 108 (एंबुलेंस सेवा), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन),112 पुलिस आपातकालीन सेवा),1098 (चाइल्ड लाइन), 102 (स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन) नंबर के माध्यम से कोई भी समस्या या शिकायत दर्ज कराया जा सकता है।इस अवसर पर उप जिलाधिकारी उतरौला डॉ नागेंद्र नाथ यादव, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेंद्र कुमार, सीडीपीओ सत्येंद्र सिंह, अपर सीएमओ द्वारा महिला कल्याण के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी उपस्थित आम जनमानस को दी गई। इस दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी सतीश चंद्र,तहसीलदार उतरौला, धात्री महिलाएं, आंगनबाड़ी कार्यकत्री व अन्य संबंधित अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित रहे।तदोपरांत सदस्या द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में महिला उत्पीड़न से संबंधित मामलों की जनसुनवाई की गई। जन सुनवाई के दौरान सदस्या द्वारा पीड़ित महिलाओं की समस्याधशिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना गया तथा त्वरित कार्यवाही का आश्वासन दिया गया। सदस्या ने कहा कि महिलाओं के साथ मारपीट, घरेलू हिंसा, दहेज संबंधी मामलों में तत्काल कार्यवाही की जाए। महिला एवं बाल कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं का लाभ पात्र महिलाओं को प्राथमिकता के साथ दिया जाए, यह संबंधित अधिकारियों द्वारा सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान महिला उत्पीड़न से संबंधित 11 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए माननीय सदस्य द्वारा सभी प्रार्थना पत्रों पर तत्काल कार्रवाई करते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्ता पूर्ण ढंग से निस्तारण का निर्देश दिया गया। इस दौरान अपर उपजिलाधिकारी विनोद कुमार सिंह, महिला कल्याण अधिकारी रागनी मिश्रा, सीओ सिटी वरुण कुमार मिश्र, महिला थानाध्यक्ष, अन्य संबंधित अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित रहे।

# बाइक पोल से टकराई दो की मौत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

करमा,सोनभद्र। करमा क्षेत्र के मधुपुर–घोरावल मार्ग पर बीच सड़क लगे विद्युत पोल से टकराकर बाइक सवार दो दोस्तों की मौत हो गई। घटना मंगलवार की देर रात की है।दोनों दोस्त बाइक से घोरावल जा रहे थे। हादसे से परिवार में कोहराम मच गया है। पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, करमा थाना क्षेत्र के तिलौली कला गांव निवासी संजय मौर्य(26) की मां मंगलवार को विंध्याचल धाम गई थीं। देर रात वह बस से लौट रही थीं। मां को घर लाने के लिए संजय गांव निवासी अपने दोस्ते जयप्रकाश मौर्य(19) को साथ लेकर बाइक से घोरावल के लिए निकला। मधुपुर–करमा–घोरावल मार्ग पर पिड़रिया गांव के पास बीच सड़क पर लगे पोल में उनकी बाइक टकरा गई।जिससे हेलमेट न होने के कारण दोनों के सिर में गंभीर चोट आई। चर्चाओं के अनुसार मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। आसपास के लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों के शव को घोरावल सीएचसी पहुंचाया। उधर,हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण सीएचसी पहुंच गए। लोगों ने बताया कि मार्ग के चौड़ीकरण के बाद बिजली के पोल सड़क के किनारे शिफ्ट नहीं किए गए हैं। कारण पोल बीच में ही रह गए हैं। इससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। घोरावल एसओ बृजेश सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलने पर समुचित कार्रवाई की जाएगी।

# आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की मौत,एक महिला घायल

## पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सुजौली/बहराइच। जिले के सुजौली थाना क्षेत्र के ग्रामपंचायत जंगल गुलरिहा के मजरा धर्मपुररेतिया में मंगलवार की शाम को आए चक्रवाती तूफान के दौरान आकाशीय विजली गिरने से दीनबंधु 37 वर्ष की की मौत हो गई।अचानक घटी इस घटना से परिजनों में हड़कंप मच गया।परिवारजनों ने बताया कि शाम को दीनबंधु घर से बाहर खेत गए थे इसी दौरान आकाशीय बिजली गिरने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया काफी देर तक घर न लौटने पर परिवारजन चिंतित हो गए और ढूंढने के लिए निकले इस दौरान गांव के बाहर खेत के पास में युवक गंभीर हालत में गिरा हुआ मिला सूचना पाकर पहुंची सुजौली पुलिस के उपनिरीक्षक अजयकांत द्विवेदी,हेडकांस्टेबल रमेश यादव,राजकुमार यादव ब साहिल मौर्या ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। मंगलवार की शाम में तेज आधी के साथ गरज तड़क के साथ बरसात शुरू हो गया। घर से बाहर खेत गए युवक दीनबंधु धर्मपुररेतिया खेत गया था उसी दौरान गिरी आकाशीय विजली की चपेट में आ गया। ओर गंभीर रूप से घायल हो गया और रात 8 बजे के आस पास युवक की मौत हो गयी।

### युवक अपने पीछे अपनी पत्नी व 5 बच्चों को छोड़ गया है

*घटना की जानकारी मिलने पर भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जूट गई। ग्राम प्रधान जंगल गुलरिहा शिवकुमार निषाद ने उच्चाधिकारियों को सूचना देकर प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग की है।वही ग्रामसभा जंगल गुलरिहा के ही मजरा सम्पतपुरवा में आकाशीय बिजली गिरने से अनिला देवी पत्नी ईश्वरचंद्र भी गंभीर रूप से घायल हो गयी जिनका इलाज करवाने के लिए मोतीपुर सीएचसी ले जाया गया है मोके पर क्षेत्रीय लेखपाल अरुण कुमार ने पहुच कर आवश्यक कार्यवाही की।*

# हिंदी दिवस पर दीपक केसरवानी हुए सम्मानित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

रॉबर्ट्सगंज/सोनभद्र। विंध्य संस्कृति शोध समिति उत्तर प्रदेश

ट्रस्ट के निदेशक एवं वरिष्ठ साहित्यकार दीपक कुमार केसरवानी को सोनभद्र बार एसोसिएशन एवं साहित्य संगम के संयुक्त तत्वाधान में कचहरी परिसर में स्थित डीबीए के सभागार में आयोजित साप्ताहिक दिवस कार्यक्रमध्विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह में जनपद एवं सत्र न्यायाधीश रजत कुमार जैन द्वारा माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर सोनभद्र बार एसोसिएशन, सोन साहित्य संगम के सदस्य, पदाधिकारी एवं अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

# अपना दल घोरावल विधानसभा की मासिक बैठक विधानसभा अध्यक्ष अरुण सिंह की अध्यक्षता में हुई संपन्न

दैनिक बुद्ध का सन्देश

करमा/सोनभद्र।अपना दल घोरावल विधानसभा की मासिक

बैठक कर्मा कार्यालय में विधानसभा अध्यक्ष अरुण सिंह की अध्यक्षता में बुधवार 1.00 बजे दोपहर मैं संपन्न हुई बैठक में मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष सत्यनारायण पटेल रहे जिसमें पिछली कार्यवाही की पुष्टि भूत गठन व सक्रिय सदस्यता अभियान पर तेजी 2022 विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन को मजबूत करने हेतु विचार विमर्श किया गया तथा एक बूथ 10 यूथ पर भी चर्चा हुई बैठक में मुख्य रूप से सह प्रभारी प्रमोद सिंह पटेल जिला पंचायत सदस्य शाहगंज मुकेश पटेल जिला उपाध्यक्ष रामपति पटेल विधानसभा उपाध्यक्ष अनिल पटेल विधानसभा महासचिव केडी सिंह सचिव छविनाथ पटेल सचिव राजकुमार पटेल जोन अध्यक्ष अजीत विश्वकर्मा शाहगंज अंबरीश सिंह पटेल विधानसभा महासचिव घोरावल जोन अध्यक्ष इंद्रपाल कर्मा वीरेंद्र सिंह पटेल समेत अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# सीएम योगी के लिए कुछ खास करने जा रहे हैं यूपी के 20 हजार किसान, जानें क्या है पूरा कार्यक्रम

लखनऊ। भाजपा किसान मोर्चा 18 सितम्बर को लखनऊ में

एक विशाल किसान सम्मेलन का आयोजन करने जा रहा है। जिसमें शामिल करीब 20 हजार किसान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त करेंगे। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह ने बुधवार को कहा कि योगी सरकार किसानों के हित में काम कर रही है। सरकार ने दर्जनों ऐसे निर्णय लिए जिससे किसानों का व्यापक हित हुआ है। उन्होंने कहा कि स्मृति उपवन में होने वाले इस सम्मेलन में प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों से पचास–पचास किसान आएंगे व लगभग 20 हजार किसान उपस्थित होकर मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट करेंगे। सिंह ने बताया कि अगस्त माह में मोर्चा ने गन्ना बाहुल्य 95 विधानसभा क्षेत्रों में जाकर 298 स्थानों पर किसानों से संवाद स्थापित किया जिसमें लगभग 60 हजार किसानों की उपस्थिति दर्ज हुई थी। उन्होंने दावा किया कि किसानों का पूरा समर्थन भारतीय जनता पार्टी की सरकारों को है। देश के कुछ विरोधी दलों के लोग जो मुद्दों के अभाव में कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं कर पा रहे है, वैसे ही लोग देश के किसानों को गुमराह करने का कुत्सित प्रयास कर रहे है। उन्होंने कहा कि 17 सितम्बर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 71वें जन्मदिवस के मौके पर मोर्चा सम्पूर्ण यूपी में सभी जिला केन्द्रों पर किसान–जवान–सम्मान दिवस के रूप में मनाएगा। इस दिन भाजपा किसान मोर्चा प्रत्येक जिला केन्द्रों पर 71 किसान व जवानों को सम्मानित करेगा। सिंह ने कहा कि किसानों की ऋण माफी, गन्ना मूल्य का ऐतिहासिक भुगतान व नए चीनी मिलों को लगाना तथा बंद चीनी मिलों को पुनरू चलवाना, सिंचाई के लिए चल रहे ट्यूबलों का बिजली कनेक्शन न काटे जाने का आदेश देना, पराली (अवशेष फसल) जलाने पर दर्ज मुकदमे वापस लेना व इस कारण लगे अर्थदंड को माफ करना, पश्चिम यूपी के डार्क जोन में बंद रहे ट्यूबल के लिए बिजली का कनेक्शन देना, 24 नई डिस्टलरियों सहित आठ बंद पड़ी डिस्टलरियों को चलाना तथा चीनीं मिलों की क्षमता वृद्धि करना आदि ऐसे मुद्दे हैं जिसके कारण प्रदेश के किसान योगी को सम्मानित कर आभार ज्ञापित करना चाहता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से उत्तर प्रदेश के लगभग 2 करोड़ 5० लाख किसान लाभान्वित हो रहे है। इसके कारण किसानों का सम्मान बढा है। फसल बीमा योजना, आधुनिक मंडियों का निमार्ण व मृदा हेल्थ कार्ड के माध्यम से किसानों की भूमि का परीक्षण कराना, किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसानों के हित में इसकी उपयोगिता बढाना, बायोगैस संयत्र की स्थापना करना, कृषि यंत्रों पर 5० प्रतिशत अनुदान देना, अटल भू–जल योजना का लाभ देना, बुन्देलखण्ड में खेत–तालाब योजना, लघु तथा सीमान्त किसानों मानधन योजना में रखना, ई–मंडियों का निमार्ण करना आदि ऐसे सैंकडों निर्णय किसानों के हित में लेकर मोदी व योगी ने ऐतिहासिक कार्य किया है।

# बौंडी थाना क्षेत्र में सर्पदंश से दो की मौतें

## बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से आ रहे हैं सबसे अधिक सर्पदंश के मामले

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बौंडी। बौंडी थाना क्षेत्र के बौंडी गाँव में हफ्ते भर में सर्पदंश से अब तक दो मौतें हो चुकी हैं। दोनों मामले मध्य रात्रि में हुए हैं। बेलहा–बहरौली तटबंध के नीचे कटान पीड़ित शिवकुमार घर बनाकर रह रहे हैं।विगत सात सितंबर की रात्रि में उनकी बेटी रीतू(14) चारपाई पर सो रही थी लगभगरात्रि को डेढ़ बजे उसको सांप ने डस लिया।परिजन आनन फानन में उसको जिला अस्पताल ले गए जहां उसकी मृत्य हो गई।शिव कुमार किसी तरह मेहनत मजदूरी करके परिवार की जीविका चलाते हैं।दूसरा मामला बौंडी निवासी संजय नाई उर्फ पुत्तू का पुत्र आकाश( 11) मंगलवार की रात्रि अपने भाई के साथ सोया हुआ था कि रात्रि दो बजे सांप ने उसके पेट पर डस लिया।उसके चीखने चिल्लाने पर परिजन दौड़ कर आये और अस्पताल पहुंचाया।संजय ने बताया कि जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड पहुंचने के बाद कुछ देर इलाज चला बाद में इलाज के दौरान ही डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।घटना के बाद से गांव में मातम छा गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।मृतक आकाश के पिता निवासी जिनू मजदूरी करके अपने परिवार का पालन पोषण करते हैं । सर्पदंश से हो रही मौतों से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है।

### साँप काटने पर क्या करें?

*अक्सर यह भी सामने देखने में आता है कि कई बार लोग सर्पदंश के बाद सपेरों या फिर टोटकों के चक्कर में फंस जाते हैं। जब पीड़ित को कोई आराम नहीं पहुंचता है तो उस स्थिति में अस्पताल का रुख करते हैं, लेकिन तब देर हो चुकी होती है। सांप का जहर शरीर में फैलकर व्यक्ति की जान ले लेता है। व्यक्ति के शरीर में रक्त व किडनी पर सर्पदंश का सबसे ज्यादा असर पड़ता है और इससे मौत हो जाती है।बाढ़ प्रभावित क्षेत्र होने के नाते प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बौंडी के साथ सीएचसी में भी एंटीस्नेक वेनम उपलब्ध है। सर्पदंश का शिकार होने पर तुरंत अस्पताल पहुंचे,जिससे पीड़ित की जान बचाई जा सके।*

**'–डॉ. प्रत्यूष सिंह(चिकित्सा अधीक्षक,सीएचसी–फखरपुर)'**

# दो किलोग्राम गांजे के साथ अभियुक्तगिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। कोन थाना क्षेत्र के नौडीहा के गायघाट चौराहे से कोन पुलिस ने एक व्यक्ति को 2 किग्रा नाजायज गांजे के साथ गिरफ्तार कर लिया।कोन पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार दिनांक 14.09.2021 को उपनिरीक्षक रामअवध यादव हमराहियों के साथ गस्त कर रहे थे कि गायघाट चौराहे पर एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया ,तलाशी करने पर उसके पास 2 किग्रा गांजा बरामद हुआ।कोन पुलिस ने उक्त गिरफ्तार व्यक्ति शिवशंकर चौधरी पुत्र स्व.गोपी चन्द्र चौधरी निवासी बेलासपुर थाना नगर उंटारी गढ़वा झारखंड को एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत चालान कर मा. न्यायालय भेज दिया।

# जिगर के टुकड़े का सौदा, तांत्रिक को बेचा

- **तांत्रिक बाबा के पत्नी को 15 वर्ष से पुत्र की प्राप्ति नही हुआ इसलिए रचा सडयंत्र**
- **तांत्रिक बाबा झाड़ फूक के बल पर कमाता है हर महीने लाखो रुपये**
- **देश विदेश में झाड़ फूक का करता है तांत्रिक बाबा प्रमोद पाडेय**

बस्ती। जनपद में एक महिला के लिए मां बनना दुनिया की सबसे बड़ी खुशी का पल होता है और उसके जिगर का टुकड़ा दुनिया में आते ही अचानक गायब हो जाए तो सोचिए उस मां के दिल पर क्या गुजरेगी। ऐसा ही कुछ हुआ कोतवाली थाना क्षेत्र के एसएस नर्सिंग होम में, जहां छाया नाम की महिला ने कल एक बेटे को जन्म दिया, जन्म लेने के बाद छाया की चचेरी बहन और आशा बहु पूजा बच्चे को घुमाने के बहाने अस्पताल के बाहर चली गई। कुछ देर बाद जब पूजा वापस आई तो बच्चा उसके पास नही था, काफी पूछने पर पूजा ने स्वीकार नहीं किया कि बच्चा उसने ही गायब किया है। देर रात थक हारकर बच्चे के पिता इंद्रेश ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। जांच करने पहुंची कोतवाली पुलिस ने छाया और उसके परिजनों से पूछताछ के बाद आशा बहु पूजा को हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ करने के बाद पूजा टूट गई और सारी कहानी बयां कर दिया।

कोतवाली पुलिस ने चोरी हुए बच्चे के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया फिर विवेचना शुरू की। जांच के दौरान आसा बहू पूजा से पूछताछ किया गया तो पता चला कि प्रमोद कुमार पाण्डेय व प्रीती पाण्डेय ,जिनकी शादी के लगभग 15 वर्ष ब्यतीत हो चुके है, लेकिन कोई बच्चा पैदा नही हुआ ,जिसको लेकर दोनो परेशान रहते थे। प्रमोद पाण्डेय झाड़ फूंक व पूजा पाठ का काम करता है।

इसी दौरान प्रमोद पाण्डेय की मुलाकात आशा बहू पूजा से हुई ,जिसने एक बच्चे की आवश्यकता के सम्बन्ध मे पूजा को बताया। पूजा ने उसको बच्चा देने के लिए वादा किया और कल पूजा ने प्रमोद कुमार पाण्डेय को फोन करके एस0एस0 मेडिकल सेन्टर आने की बात कही और दोनो मे ह्वाट्सऐप के माध्यम से चौटिंग भी हुआ। आशा बहु पूजा ने प्रमोद कुमार पाण्डेय से वार्ता कर बुलाया और बच्चे को चुराकर उसके सुपुर्द कर दिया। इसके लिए इसने 5000– रूपया भी प्राप्त किया, बाकी रूपया बाद मे देने की बात कही। प्रमोद कुमार पाण्डेय बोलेरो गाड़ी से बच्चे को लेकर अपने गांव गया। वहा से अपनी पत्नी को लेकर ग्राम तेलियाडीह अपने मित्र के घर गया जहा आशाबहू पूजा के निशांदेही पर बच्चे सहित दोनो को भोर में 5 बजे गिरफ्तार किया गया। अपने बच्चे को वापस पाकर छाया और उसका परिवार अब फूले नहीं समा रहा। एक मां को उसका जिगर का टुकड़ा मिल तो गया मगर लोग अब चोरी का बच्चा खरीदने वाली महिला को कोश रहे है जिसने इंसानियत को शर्मसार किया है।

# टपकते छत व टूटे फर्स पर आवारा जानवरों का आराम गाह बना हुआ है

प्रमोद पाण्डेय/बुद्ध का संदेश

उतरौला/बलरामपुर। गांव की सरकार का भवन जब जर्जर

हो जाय तब विकास की योजनाएं कैसे साकार होंगी इसका नमूना क्षेत्र के बढ़या पकड़ी में दो दशक पूर्व बना पंचायत भवन है।एक ओर सरकार ग्राम पंचायतों में कम्प्यूटर सहायक की नियुक्ति कर गांव के बाशिंदों को एक ही छत के नीचे तमाम तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराने जा रही है लेकिन जब भवन जीर्ण शीर्ण अवस्था में हो तो कैसे यह सुविधा मुहैया हो सकेगी। पंचायत भवन रख रखाव के अभाव में खिड़की दरवाजे विहीन हो चुके हैं टपकते छत व टूटे फर्स पर आवारा जानवरों का आराम गाह बना हुआ है दीवाल में जगह–जगह दरारें आ चुकी है। ग्रामीणों के अनुसार भवन जर्जर होने के कारण खुले आसमान के नीचे बैठक करना पड़ता है।

# दो दिन पूर्व लापता मासूम का मिला शव

सीतापुर। कोतवाली देहात इलाके से दो दिन पूर्व लापता हुई बालिका का क्षत विक्षत शव खैराबाद इलाके में मिला। परिजन जहां बच्ची की हत्या किए जाने की आशंका जता रहे हैं। वहीं पुलिस किसी जानवर के हमले में मौत होने का सदेंह जता रही है। फिलहाल शव को अन्त्य परीक्षण के लिए भेजा गया है। पुलिस का कहना है पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण का पता चल पाएगा। जानकारी के अनुसार कोतवाली देहात इलाके के बिजवार गांव निवासी राकेश की दो साल की बेटी बिट्टू शनिवार की रात संदिग्ध हालात में लापता हो गई थी। परिजनों के मुताबिक राकेश व उसकी पत्नी बेटी को साथ लेकर एक ही चारपाई पर सो रहे थे। राकेश की पत्नी ने बताया था कि रात 12 बजे तक उसकी बेटी साथ में ही थी लेकिन भोर पहर जब उसकी आंख खुली तो बेटी चारपाई से गायब थी। पुलिस ने गुमशुगदी दर्ज कर जांच व कार्रवाई शुरू कर दी थी। बालिका की तलाश की जा रही थी। इसी बीच खैराबाद थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव के कुछ लोग . सुबह खेतों की ओर निकले तो मासूम बच्ची का शव क्षत विक्षत हालत में पड़ा देखा। जिसे कुत्ते घसीट रहे थे। ग्रामीणों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। आनन फानन में कोतवाली देहात की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना को लेकर सूत्र बताते हैं कि बालिका के शरीर के कुछ अंग गायब थे। शरीर पर जख्म के कई निशान थे। उसकी अंडरवियर से मृतक के पिता ने शव की पहचान की। मौके पर एक बोरी भी पड़ी देखी गई। जिससे आशंकाएं जताई जा रही हैं कि बालिका को मां बाप के बीच से उठाकर उसकी हत्या कर दी गई और लाश को फेंक दिया गया। ग्रामीणों के मुताबिक जिस स्थान पर बालिका की लाश मिली है। वहां से अक्सर लोगों का आना जाना रहता है। यह बालिका शनिवार को गायब हुई थी लेकिन रविवार को उसकी लाश यहां नहीं मिली। बालिका की लाश मिली है। जिससे इस बात की भी आशंका जताई जा रही है कि हो सकता है कि बालिका की हत्या के बाद लाश को यहां डाली गई हो और उसके बाद वह जानवरों का निवाला बन गई।

# सेवा भारती की नई कार्यकारिणी घोषित

सीतापुर। सेवा भारती की बैठक स्थानीय बट्सगंज स्थित कैम्प कार्यालय में सम्पन्न हुई। जिसमें रवीन्द्र कुमार गंगवार प्रांतीय अध्यक्ष अवध प्रांत लखनऊ के अनुमोदन के उपरान्त सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का मनोनयन अवध प्रान्तीय कोषाध्यक्ष सुभाष चन्द्र गुप्ता की अध्यक्षता में कराया गया। मनोनयन के क्रम में संरक्षक सुन्दर लाल, भानु प्रताप सिंह, विश्ववीर गुप्ता, पूरन सिंह, खेम चन्द्र डोडेजा, अध्यक्ष अवनेन्द्र विक्रम सिंह, उपाध्यक्ष वेद प्रकाश कश्यप, वीपी सिंह, आकाश राय, रिपुदमन सिंह, रमाकान्त मिश्रा, कमलेश मेहरोत्रा, महामन्त्री रत्नेश द्विवेदी, सहमंत्री कमलेश कुमार पाण्डेय, सह कोषाध्यक्ष सुजीत कुमार गुप्त, संगठन मंत्री प्रेम चन्द्र वर्मा, कार्यकारिणी सदस्य उत्तम कुमार श्रीवास्तव, रामेन्द्र कुमार गुप्ता, उदित प्रताप सिंह को मनोनीत किये गये। सभी मनोनीत पदाधिकारियों को बधाई देते हुए प्रान्तीय अध्यक्ष रवीन्द्र कुमार गंगवार व अवध प्रान्तीय कोषाध्यक्ष सुभाष गुप्त ने अपने. अपने दायित्वों का भली–भॉति निर्वाहन करने की आशा व्यक्त करते हुए सेवा भारती को आगे बढ़ाने पर बल दिया। इस दौरान अशोक अवस्थी, टीकाराम प्रजापति, अखिलेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

# दबंगों ने एक व्यक्ति को लाठी डंडों व चाकुओं से वारकर किया घायल

सकरन (सीतापुर)। सकरन थाना क्षेत्र में दबंगों ने एक व्यक्ति को लाठी डंडों व चाकुओं से वारकर घायल कर दिया। परिजन उसे सीएचसी सांडा लेकर गये। जहां हालत गंभीर देखते हुये डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुयी है। जानकारी के अनुसार सकरन थाना क्षेत्र के चिलिहा गांव निवासी अरूण 28 पुत्र रामसागर दीक्षित को थाना क्षेत्र के अम्बाई गांव निवासी संतोष उर्फ लल्ली पुत्र दरगाही वर्मा ने रविवार को सुबह करीब 11 बजे फोन करके खेत को बुलाया सन्तोष द्वारा बुलाने पर अरूण अपनी बाइक से गांव के बाहर खेत पहुंच गया। जहां सन्तोष व उसके साथियों ने अरूण को जान से मारने के इरादे से चाकू से कई प्रहार किये उसके बाद सिर पर लाठी से वारकर दिया। जिससे अरुण बेहोश होकर जमीन पर गिर गया। हमलावर मृत समझ कर मौके से भाग गये। राहगीरों द्वारा दी गयी सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजन अरूण को प्राइवेट वाहन से सीएचसी सांडा लेकर गये। जहां हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। जहां उसकी हालत गम्भीर बनी हुयी है। इस सम्बन्ध में जब एसओ पुष्पराज कुशवाहा से बात की गयी तो उन्होंने बताया कि घायल के परिजनों द्वारा दी गयी तहरीर पर मुकदमा दर्जकर लिया गया है।

# बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में कागजों पर चल रही चिकित्सकों की ड्यूटी
## रामभरोस चल रही गांजर क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाएं

रेउसा (सीतापुर)। गांजर क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाएं राम भरोसे चल रही हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र होने के साथ.साथ चिकित्सकों की ड्यूटी कागजों पर चल रही है। जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। दूरदराज से आने वाले मरीजों को समय से डाक्टर एवं दवाएं ना मिल पाने की जानकारी क्षेत्र के ग्रामीणों द्वारा लगातार की जा रही थी। इसकी जानकारी पाकर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शिव कुमार गुप्ता .सुबह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समय 9.30 पहुंचे। यहां पर उन्हें सुविधाओं का आंखों देखा आईना देखने को मिला अटेंडेंस रजिस्टर पर डॉक्टरों के हस्ताक्षर हैं लेकिन चिकित्सकों का कोई अता पता नहीं है। अधीक्षक रूम में करीब 30 मिनट तक पसीना बहाते हुए बैठे रहे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ अनूप पांडेय भी गायब रहे। नेता द्वारा कई बार फोन मिलाया। लेकिन डॉक्टर साहब का फोन नहीं उठा। नेताजी देखकर स्वास्थ्य सेवाओं को लाल हो गए। अधीक्षक रूम पहुंचे वहां लेकिन कमरे का पंखा नहीं चला। इतनी भीषण गर्मी में बार.बार रुमाल से पसीना पहुंच रहे थे। उसी दौरान कुष्ठ रोग के मरीज राम मनोहर कोडरी, अरविंद खुरवलिया ने कहा अस्पताल में तैनात डॉक्टर धर्मराज द्वारा कार्ड नहीं बनाया जाता है। बार बार आने पर कहते हैं हमारी क्लीनिक सेउता में है वहां पर शाम को आना तो दवा वहां पर मिलेगी। अटेंडेंस रजिस्टर में देखा डॉक्टर तेज प्रताप सिंह, डॉक्टर नरेश चौधरी, डॉक्टर अनूप पांडे, डॉक्टर सुनील यादव की हाजिरी लगी हुई है। पहले से ही जिसकी शिकायत उन्होंने फोन द्वारा सीएमओ डॉ मधु गौरेला से फोन पर कही। उन्होंने यहां पर आने वाले मरीजों को चिकित्सक ही नहीं मिल रहे तो यहां पर मरीजों का कैसे होगा इलाज। यहां पर करीब 20 कर्मचारियों का स्टाफ है। जिसमें 4 से 5 ही कर्मचारी मौजूद है। करीब 200 मरीजों इधर उधर भटक रहे हैं। अरुण सिंह निवासी भरथा गांव के कान की दवा लेने आए थे। उनको मेडिसिन रूम से पर्चे पर दवा एक्सपायर दी गई। पर्चा पर दवा डिक्लोफेनाक, पैरासिटामोल टेबलेट लिखी हुई थी। स्वास्थ्य स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा इस मरीज को कैल्शियम, आइब्रोफेन, आयरन की टेबलेट व डम्परिडॉन की टेबलेट एक्सपायर दी गई। आपके सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की खराब व्यवस्था इसी तरीके से ही चलेगी। क्या प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी लगातार प्रयास कर रहे हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में आने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर चिकित्सक एवं दवाएं मौजूद रहे। लेकिन यहां पर मरीजों को एक्सपायर दवाएं दी जा रही हैं। वार्ड रूम में फ टे पुराने गद्दे पढ़े हुए हैं। अगर इन चिकित्सकों को सरकारी ड्यूटी करना है तो समय से अपनी ड्यूटी करें एवं आने वाले मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें दवाएं दी जाए। ड्यूटी पर मौजूद फ ार्मासिस्ट गिरीश त्रिपाठी, डेंटल सहायक विनोद यादव से जानकारी ली। यह पंखा क्यों नहीं चल रहा है उन्होंने कहा खराब है। अटेंडेंस रजिस्टर देखा तो उसमें चिकित्सकों की हाजिरी लगी हुई है। जिसकी फोटो मोबाइल में खींच लिया। करीब एक दर्जन से ज्यादा स्वास्थ्य कर्मी कहां पर मौजूद हैं। इसका जवाब सीएमओ डॉ मधु गोरेला एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारी नहीं बता पाये। सीएमओ डॉ मधु गोरेला ने कहा मौके पर जाकर जांच करूंगी। इन कर्मचारियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जाएगी।

# जिला अस्पताल के बाहर लगाया गया कांग्रेस जन सहायता केन्द्र

सीतापुर। उत्तर प्रदेश कांग्रेस राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस राजीव गांधी पंचायती राज संगठन द्वारा कांग्रेस जन सहायता केंद्र जिला अस्पताल के बाहर लगाया गया। जिला कांग्रेस राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के अध्यक्ष संजय कुमार सनी ने बताया कि हमारे संगठन के प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशानुसार यह सहायता केंद्र लगाया गया। जिसका शुभारंभ आज किया गया है जो निरंतर एक माह रोज 02 घंटे लगेगा। इसका उद्देश्य अस्पताल में आए हुए लोगों की सहायता करना एवं जागरूक करना है। केन्द्र का शुभारंभ जिला कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष विनीत दीक्षित ने फीता काटकर किया। इस केंद्र के शुभारंभ में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उत्कर्ष अवस्थी, आईसीसी सदस्य काशी राम भार्गव, कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग के अध्यक्ष धीरेश कश्यप, कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष बनवारी लाल कनौजिया, कांग्रेस शहर उपाध्यक्ष अनुज सिंह चौहान, जिला कांग्रेस राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के उपाध्यक्ष श्याम किशोर पांडेय, मीडिया प्रभारी राजेश गिरी, जिला महासचिव राम शंकर यादव, परवेज शाहिद, आरके प्रजापति, ललित किशोर गौतम, फरीद अहमद, सिधौली नगर अध्यक्ष अमर सिंह राना, दुर्गेश राठौर, सलादद्दीन, रामपाल यादव, वसीम अहमद आदि पदाधिकारी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# सपा छात्र सभा जिला अध्यक्ष ने डीएम को ज्ञापन सौंपा

हरदोई। समाजवादी छात्र सभा के जिला अध्यक्ष अभय प्रताप सिंह गोलू कटियारी ने महामहिम राज्यपाल महोदया को जिला अधिकारी के माध्यम द्वारा दिया ज्ञापन छात्रों पर हो रहे लगातार उत्पीड़न फीस बढ़ोतरी कोरोना वैश्विक महामारी में छात्रों की शैक्षिक व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न होने के साथ ही अभिभावकों की आर्थिक स्थिति पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। वर्तमान परिवेश में आज आमजन का जीवन यापन अव्यवस्थित है ऐसे समय में सरकार द्वारा जीरो फीस की सुविधा समाप्त करना दलित व कमजोर वर्ग के छात्रों के अधिकारों पर कुठाराघात है वहीं दूसरी तरफ पिछड़े एवं गरीब सामान्य वर्ग के छात्रों की छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति रोके जाने की वजह से छात्रों की पढ़ाई जारी रखना दुर्लभ हो गया है महंगाई के कारण सामान्य वर्ग के छात्र पढ़ाई छोड़ने पर विवश हैं ।भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा लगातार छात्रों पर उत्पीड़न हो रहा है फर्जी मुकदमें लगाए जा रहे हैं इन सभी के विरोध में समाजवादी छात्र सभा लगातार संघर्ष करेगी महोदया जी ऐसी विपरीत परिस्थितियों में समाजवादी छात्र सभा आपसे अनुरोध करती है कि 0 फीस पर एडमिशन व छात्रवृत्ति की सुविधा को जारी रखते हेतु शासन को तत्काल निर्देशित करने की कृपा करें जिससे दलित अल्पसंख्यक एवं पिछड़े सामान्य वर्ग के छात्र अपनी पढ़ाई सुचारू रूप से जारी रख सकें जिसमें मुख्य रुप से जिला उपाध्यक्ष छात्र सभा राकेश कुमार, अमल यादव , करन सिंह गौर, तनवीर पठान, महासचिव छात्र सभा सचिन वर्मा , प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य साहब जमा खां ,अंकुल यादव, बृजेश सिंह, सौरभ सिंह, हारुख अली, राधीश यादव, राज भूषण सिंह बबलू, अंशुमान सिंह , आशीष वर्मा, अमित कुमार वर्मा ,आदि सैकड़ों की संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

# बेटियां फाउंडेशन ने हिंदी दिवस पर आयोजित की विभिन्न प्रतियोगिताएं

हरदोई। हिन्दी दिवस को बड़े हर्षोल्लास से बेटियां फाउंडेशन ने पूरी टीम और बच्चों के साथ मनाया। बेटियां फाउंडेशन राष्ट्रीय संस्था ने सरस्वती शिशु मंदिर में सुलेख और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष कुसुम लता गुप्ता रेशमा ने की। इस कार्यक्रम में लकी गुप्ता ने कोरोना पर निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया और सुलेख प्रतियोगिता में प्रिया श्रीवास्तव ,कृष्णा श्याम जी गुप्ता, उपासनी गुप्ता ने प्रतिभाग किया।हिन्दी दिवस के इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सुडोकू में गोल्ड मैडल इसरो में सिल्वर मैडल ब्रेन ओ ब्रेन में गोल्ड मैडल और सिल्वर मैडल प्राप्त कर चुकी भाव्या अग्रवाल को भी जिलाध्यक्ष ने पूरी टीम के साथ मैडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। बेटियां फाउंडेशन राष्ट्रीय संस्था हरदोई टीम ने इन बच्चो का मैडल सर्टिफिकेट देकर उत्साहवर्धन किया और सरस्वती शिशु मंदिर की प्रबंधक रेखा गुप्त ने भी बच्चो को हिंदी दिवस की जानकारी दी। जिलाध्यक्ष बेटियां फाउंडेशन ने इस कार्यक्रम में गीता अग्रवाल जी को भी सक्रीय सदस्य बनाया गया। इस कार्यक्रम में कहानी आयुषी गुप्ता, नव्या गुप्ता, अहम गुप्ता भाषण में नेंसी गुप्ता वंदना में कोमल कुशवाहा,तेजस्वी राजपूत बच्चो ने इस प्रतियोगिता में भाग लेकर सम्मान भी प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला सचिव गीता गुप्ता,जिला उपाध्यक्ष स्नेहलता गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी अमन नागर सम्राट , सक्रिया सदस्य अधिवक्ता अरविन्द, सचिन प्रजापति अंकिता सिंह तोमर ,पारुल दीक्षित, लक्ष्मी सिंह , देवेश कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

# ग्रामीणों द्वारा किया जा रहा क्रमिक अनशन व धरना प्रदर्शन

तम्बौर (सीतापुर)। ब्लाक.बेहटा तहसील लहरपुर थाना तम्बौर पोस्ट समौदीडीह ग्राम इब्राहिमपुरवा में 25 अगस्त से क्रमिक अनशन हड़ताल पर ओमप्रकाश, त्रिभवन, शावित्री, उधम गौतम, संतोष बैठे हैं। लेकिन शासन प्रशासन द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। समस्या गंभीर रूप बनी है। संघर्ष जारी है सभी ग्रामवासियों ने कहा गुण्डों का हौसला बढ़ाता जा रहा है। हम लोगों को न्याय नहीं मिल रहा है। थाना तम्बौर द्वारा ना ही प्रार्थना पत्र पर कार्यवाही हुई है। सभी ग्रामीण एवं गांजर क्षेत्र के लोग मिलकर लड़ाई लड़ रहे हैं। कहतें है जब तक हमारी उक्त मांगे एवं दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी। तब तक अनशन हड़ताल एवं धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। जो सक्षम अधिकारियों ने आस्वासन दिया था वो भी पूर्ण नहीं हुआ है। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन एवं अधिकारियों से अपील की जब तक हमारी समस्याओं का समाधान नहीं होगा तब तक क्रमिक अनशन जारी रहेगा।

# छोटे भाई ने सोते समय धारदार हथियार से गला काट कर की बड़े भाई की निर्मम हत्या

हरदोई। कोतवाली वाली देहात के अंतर्गत कौढ़ा में बीती रात मुन्ना (50) की हत्या उसके छोटे भाई प्रेम ने धारदार हथियार से गला रेत कर कर दी। बताया जा रहा है कि मुन्ना कोतवाली देहात थाना क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर अपराधी था।

वह हत्या के एक मामले में जेल गया था और 2 साल पूर्व 7 साल की सजा काटकर वापस लौटा था। इस दौरान मुन्ना की पत्नी आशा प्रेम के साथ रहने लगी थी ।मुन्ना का एक बच्चा था जबकि प्रेम के इस दौरान 5 बच्चे पैदा हुए ।मुन्ना प्रेम से अपनी पत्नी आशा को वापस करने की मांग करता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद भी होता था।

बीती रात मुन्ना घर में सो रहा था,तभी प्रेम ने धारदार हथियार से हमला कर उसकी निर्मम हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया ।मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया ।पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही मृतक के भाई रामचंद्र की तहरीर पर हत्यारोपी प्रेम के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

# एमडीएम में कीड़ा मिलने की शिकायत पर जांच करने पहुंचे एबीएसए

परसेण्डी (सीतापुर)। संविलियन विद्यालय गौरा अर्जुनपुर में एमडीएम में कीड़ा मिलने की शिकायत पर मिलने पर ह्रदय शंकरलाल विद्यालय पहुंचकर मौके का जायजा लिया। मौके पर ग्राम प्रधान के द्वारा खाना बनाया जा रहा था। जिसमें सोयाबीन में कीड़ा मिलने की शिकायत की थी। जिस पर खंड शिक्षा अधिकारी ने कीड़े वाले खाने को हटवा कर फिर से खाना बनाकर बच्चों में वितरित कराया। खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया सभी प्रधानाध्यापकों को निर्देशित करते हुए कहा है किसी भी दशा में एमडीएम में कोताही न बरती जाए तथा पूरी स्वच्छता के साथ खाना बनवाया जाए। संबंधित प्रधानाध्यापक के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

# आठवे दिन भी कांग्रेस की निशुल्क रसोई से भोजन वितरण

फिरोजाबाद। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा जनपद में डेंगू के प्रकोप से ग्रस्त लोगों की सहायता के लिए तथा उनके तीमारदारों के लिए जिला अस्पताल स्थित सौ सैया अस्पताल के पास आज आठवे दिन निशुल्क रसोई लगवाई गई है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संदीप तिवारी द्वारा बताया गया कि प्रदेश नेतृत्व के आव्हान पर जिला अस्पताल स्थित सौ सैया अस्पताल के पास निशुल्क रसोई लगाई जा रही है जिसमें दोपहर का भोजन तथा शाम के भोजन की व्यवस्था होगी जो लोग डेंगू से ग्रस्त अपने परिजनों का इलाज करवाने के लिए अस्पताल में आ रहे हैं वहां पर उन्हें जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा भोजन उपलब्ध करवाया जाएगा जो कि निशुल्क होगा। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा डेंगू ग्रस्त लोगों के लिए निशुल्क एंबुलेंसओ की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता को पीड़ित लोगों की मदद के लिए हर संभव निर्देश जारी किए हैं। जनहित के कार्य जारी रहेंगे चाहे कुछ भी हो जाये हम जनविरोधी सरकार के आगे झुकेंगे नहीं और इसी प्रकार से जनसेवा करते रहेंगे। इस मौके पर जिला प्रवक्ता मनोज भटेले, जिला उपाध्यक्ष कमलेश जैन, जिला महासचिव दुष्यंत धनगर, इंटक के जिलाध्यक्ष रामखिलाड़ी यादव बॉस, ब्लॉक अध्यक्ष धीरेंद्र सिंह जुरैल, ब्लॉक अध्यक्ष राम शंकर राजौरिया, राकेश यादव आदि लोग उपस्थित थे।

# हाईवे पर डीसीएम बनी आग का गोला, आध घंटे तक हाईवे पर फैली रही दहशत

शिकोहाबाद। नेशनल हाईवे स्थित बालाजी मंदिर के पास एक डीसीएम में अचानक आग लग गई। डीसीएम को खड़ा करके चालक ने कूद कर जान बचाई। आध घंटे तक डीसीएम धू–धू कर जलती रही। इससे 30 मिनट तक हाईवे पर दहशत फैली रही। पुलिस वाहनों को नियंत्रित करती रही। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। डीसीएम की आग बुझने के बाद ही पुलिस प्रशासन ने राहत की सांस ली। डीसीएम संख्या डीएल 1एलएक्स– 7223 को राहुल पुत्र स्व. प्रेमनरायन निवासी सतीनगर रामबाग आगरा चला रहा था। राहुल ने बताया कि उसने डीसीएम लखनऊ से बिस्कुट और अन्य बच्चों के खाने का सामान लेकर फिरोजाबाद आ रहा था। जब उसकी डीसीएम शिकोहाबाद ओवर ब्रिज पार कर बालाजी मंदिर के समीप पहुंची, तभी उसकी नजर साइड वाले शीशा पर पड़ी। देखा तो डीसीएम के इंजन से धुआं उठ रहा था। उसने बिना देर किए गाड़ी को हाईवे पर ही रोक दिया और नीचे कूद गया। उसके उतरते ही डीसीएम ने आग पकड़ ली और धू–धू कर जलने लगी। डीसीएम को बीच सड़क पर जलता देख आने वाले वाहन चालकों और बालाजी के दर्शन करने आ रहे श्रद्धालुओं में दहशत फैल गई। करीब 30 मिनट तक नेशनल हाईवे पर दहशत फैली रही। पुलिस डीसीएम की सीएनजी टैंक के फटने की आशंका से दोनों तरफ के यातायात को नियंत्रित करती रही। फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर काबू पाया। आग पर काबू पाने के बाद ही लोगों और पुलिस ने राहत की सांस ली। पुलिस ने डीसीएम को संत जनू बाबा चौकी पर खड़ा करा दिया है।

# खम्भा गिरने से दो दिनों से बिजली गुल

बिसवां नगर (सीतापुर)। ब्लॉक बिसवां क्षेत्रान्तर्गत सरसा कलां गांव में बीते तीन दिनों से खम्भा गिरने के कारण बिजली नहीं आ रही है। जिससे ग्रामवासी परेशान है और जेई बिसवां को लगातार फोन कर रहे हैं मगर उन्होंने फोन उठाना जरूरी नहीं समझा। जिससे ग्रामीणों में आक्रोश है। ज्ञात हो कि बिसवां पावर हाउस के गोवर्धन फीडर के सरसा कलां गांव में तीन दिन पूर्व में 11 हजार की लाइन का तार टूटकर गिरने से दो गौवंश की मौत हो गयी थी। जिस कारण ग्रामीणों की सूचना पर लाइन काटी गई थी। जिसे जोडने के लिए लाइनमैन दूसरे खम्भे पर चढ़कर तार टाइट कर रहा था कि अचानक उसके सामने वाला खम्भा भरभरा गिर पड़ा।

# संदिग्ध अवस्था में छत से गिरकर महिला की मौत

फिरोजाबाद। थाना शिकोहाबाद क्षेत्र अन्तर्गत एक महिला की संदिग्धावस्था में छत से गिरकर मौत हो गयी। मायका पक्ष ने हत्या का आरोप लगाया है। थाना शिकोहाबाद क्षेत्र के आदर्श नगर निवासी नीरज देवी (39) पत्नी अरविन्द्र की संदिग्धावस्था में छत से गिरकर मौत हो गयी। नीरज की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिये जिला अस्पताल लायी है। मृतका के ससुरालीजनों का कहना है कि नीरज ने छत से कूंदकर आत्महत्या की है। वही मायका पक्ष का आरोप है कि उसकी हत्या की गई है। हकीकत क्या है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# बालाजी दरवार में बुढ़वा मंगल पर हुए धार्मिक कार्यक्रम
## श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना कर दुग्धाभिषेक और आरती में भाग लिया

शिकोहाबाद। बालाजी धाम की ख्याति दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। बाबा के दर्शनों के लिए दूर दराज से हजारों की संख्या में लोग पहुंचते हैं। बुढ़वा होने के कारण इसकी महत्ता अधिक बढ़ जाती है। जिससे हजारों की संख्या में बाबा के भक्त सुबह से ही बाबा के दर्शनों के लिए मंदिर पर पहुंचने लगे। इस दौरान मंदिर परिसर में कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। बालाजी धाम के महंत पंडित मनीष भारद्वाज ने बताया कि बालाजी धाम पर बुढवा मंगल बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान बालाजी धाम की सजावट भी की गई। महाआरती के बाद बाबा का दुग्धाभिषेक किया गया। महंत ने बताया कि भाद्रपद माह के अंतिम मंगल को बुढवा मंगल के रूप में मनाया जाता है। इसी दिन देवताओं द्वारा बालाजी महाराज को मंगल पूजन का दायित्व सौंपा गया था। इसी कारण भक्त बड़ा मंगल के रूप में इसे मनाते है। बुढवा मंगल पर बालाजी धाम पर हर वर्ष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इस बार भी धार्मिक कार्यक्रमों में लोगों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। बालाजी धाम पर भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिसमें बाबा के दर्शन करने आ रहे सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर नरेंद्र शास्त्री, कुल्लू पुजारी, रामकुमार, आकाश, प्रबंधक राजेश गुप्ता, अध्यक्ष रघुवर दयाल गुप्ता के अलावा एमएलसी डॉ. दिलीप यादव समेत अनेक सभ्रांत नागरिकों ने बाबा के दर्शन कर अमन चैन की प्रार्थना की।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी प्रकाशन एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतीनगर निकट हीरो एजेन्सी, मधुकरपुर, जिला–सिद्धार्थनगर–272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं0– UPHIN/2012/49458
संस्थापकः– स्व0 श्री के.सी. शर्मा | प्रधान सम्पादकः– राजेश शर्मा
8795951917, 9453824459
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय ही मान्य होगा
ई–न्यूज पेपरः– www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

# कैचअप का अति सेवन करना हो सकता है आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक, जानिए इसके कुछ दुष्परिणाम

टोमेटो कैचअप सामने आते ही मुंह से पानी निकलने लगता है और अधिकांश लोगों को हर चीज के साथ टोमेटो कैचअप खाने की आदत होती है। कैचअप खाने की आदत सिर्फ बच्चों में ही नहीं बल्कि हर उम्र के लोग में होती है। ब्रेड पकोड़ा, मैगी, पिज्जा हो या बर्गर, पास्ता, सभी के साथ इन्हें कैचअप खाने की आदत है। लेकिन आपको यह जानना चाहिए कि किसी भी चीज को जरूरत से ज्यादा खाने से इसका खामियाजा आपकी सेहत को भुगतना पड़ता है। कैचअप आपके सेहत के लिए नुकसानदेह है। संशोधन के मुताबिक, कैचअप में न तो प्रोटीन होता है, न ही फाइबर। इसके बजाय स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले पदार्थ ज्यादा होते हैं। कैचअप में शुगर, नमक, कई तरह के मसाले और फ्रुक्टोज कॉर्न सिरप का इस्तेमाल किया जाता है जो हेल्थ के लिए बहुत नुकसानदायक है। इसके कई साइड इफेक्ट हैं–

ज्यादा प्रमाण में कैचअप खाने के साइड इफेक्ट –

1. मोटापारू कैचअप में ज्यादा फ्रुक्टोज होता है इसलिए यह मोटापा को बढ़ाता है और इंसुलिन की मात्रा को भी कम करता है।

2. पोषक तत्वों का अभावरू टमाटर में ज्यादा पोषक तत्व नहीं पाए जाते है। इसमें प्रोटीन और फाइबर भी नहीं होता इसलिए ज्यादा कैचअप हेल्थ के लिए नुकसानदेह है।

3. एसिडिटी – कैचअप एसिडिक नेचर का होता है। इसलिए यह एसिडिटी और हार्टबर्न की समस्याएं पैदा कर देता है। यह डाइजेस्टिव सिस्टम को भी खराब करता है। 4. किडनी प्रॉब्लम – ज्यादा कैचअप खाने से पेशाब में कैल्शियम की मात्रा बढ़ जाती है। इससे किडनी स्टोन की समस्या हो सकती है।

5. एलर्जी – कैचअप में हिस्टामाइन्स केमिकल की मात्रा ज्यादा होती है। हिस्टामाइन्स कई लोगों में एलर्जी की समस्या पैदा कर सकता है। इसलिए इससे एलर्जिक रिएक्शन जैसे छींक आने और सांस लेने समस्या हो सकती है। 6. जोड़ों में ददरू किसी भी तरह के प्रोसेस्ड और पहले से तैयार फूड में सूजन पैदा करने की क्षमता होती है जो जोड़ों के दर्द को बढ़ा सकती है। 7. हार्ट की बीमारी – टमाटर में ज्यादा फ्रुक्टोज होता है जो ट्राइग्लिसराइड नाम का केमिकल बनाता है। यह केमिकल हार्ट के लिए प्रॉब्लम की समस्या उत्पन्न करता है।

# मनी हीस्ट को मिस कर रही हैं अनन्या पांडे

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे शो के प्रशंसकों के एक समूह के साथ बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में मनी हीस्ट के पिछले सीजन के एक विशेष पूर्वावलोकन में शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि वह इस

शो को मिस करेगी क्योंकि यह शो का आखिरी सीजन है। मनी हाइस्ट की प्रशंसक होने के नाते अनन्या ने कहा, एक ऐसी सीरीज का जश्न मनाना बेहद रोमांचक है जिसकी मैं और बहुत सारे प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मनी हीस्ट नेटफ्लिक्स पर मेरे पसंदीदा शो में से एक है और मैं बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। यह दुख की बात है कि यह सीरीज का आखिरी सीजन है। उन्होंने आगे कहा, मैं शो और पात्रों को याद करूंगी, विशेष रूप से डेनवर, वह मेरा पसंदीदा है। जैमे लोरेंटे ने एक शानदार काम किया है – डेनवर की हंसी अविस्मरणीय है और वह एक बहादुर आदमी है जो अपने परिवार के लिए यह सब कुछ देगा ! अभी के लिए, मैं मनी हीस्ट के नए सीजन को देखने के लिए उत्सुक हूं। नेटफ्लिक्स इंडिया ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को अपने कब्जे में ले लिया और सभी के पसंदीदा गिरोह को ट्रीब्यूट दी। अपने खुलासे से सभी को आश्चर्यचकित करने के बाद, अनन्या, एक सुपर प्रशंसक की तरह, इस चक्कर में शामिल हो गई और बहुप्रतीक्षित मनी हीस्ट पार्ट 5रू वॉल्यूम 1 का एक छोटा विशेष पूर्वावलोकन देखा। शो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहा है।

# भयानक अवतार में दिखीं नुसरत भरूचा, जारी हुआ छोरी का पहला मोशन पोस्टर

एमेजॉन प्राइम वीडियो ने अपनी आगामी हॉरर मूवी श्छोरीश् की भयानक झलक दिखाई है. विशाल फुरिया द्वारा निर्देशित और टी–सीरीज, क्रिप्ट टीवी और एबंडेंशिया एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित यह एमेजॉन ओरिजिनल मूवी श्छोरीश् एक सराहनीय मराठी फिल्म श्लपाछपीश् की रीमेक है. इस फिल्म में नुसरत भरूचा मुख्य भूमिका में नजर आएंगी. भारत और 240 देशों व क्षेत्रों में मौजूद प्राइम मेंबर आगामी नवंबर में इस बहु–प्रतीक्षित फिल्म को एमेजॉन प्राइम वीडियो पर विशेष रूप से स्ट्रीम कर सकते हैं. ओटीटी प्लेटफॉर्म द्वारा ओरिजिनल हॉरर मूवी छोरी के अंदरूनी संसार की एक झलक दिखाने की कोशिश की गई है. यह फिल्म हैलोवीन जैसी भयानक भले ही न हो, लेकिन इसकी दिल दहला देने वाली पहली डरावनी झलक यकीनन रीढ़ में सिहरन पैदा कर देगी. जब पहली झलक ही आपको इतना खौफनाक अनुभव दे रही है, तो आप केवल सोच ही सकते हैं कि फिल्म दर्शकों के सामने कैसा गजब ढाने जा रही है. फिल्म की पहली झलक देखने के बाद एमेजॉन ओरिजिनल मूवी छोरी को देखने के लिए दर्शक बेताब हैं, जो आगामी नवंबर में दर्शकों को अभूतपूर्व ढंग से डराने के लिए तैयार है. हॉरर फिल्म के प्रेमी दर्शक एक रोमांचक सफर के लिए कमर कस चुके हैं और फिल्म के मेकर्स को यकीन है कि यह मोशन पोस्टर देखने के बाद आज की रात वे लाइट ऑन करके ही सोएंगे. फिल्म के इस मोशन पोस्टर को देखने के बाद दर्शक इसे देखने के लिए उत्साहित हैं. छोरी एक आगामी हॉरर फिल्म है, जिसे विशाल फुरिया ने निर्देशित किया है और फिल्म के प्रोड्यूसर भूषण कुमार, कृष्णन कुमार, विक्रम मल्होत्रा, जैक डेविस और शिखा शर्मा हैं. सुपरहिट मराठी फिल्म श्लपछापीश् की रीमेक इस फिल्म में मीता वशिष्ठ, राजेश जायस, सौरभ गोयल और यानिया भारद्वाज के साथ नुसरत भरूचा मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाली हैं. छोरी एबंडेंशिया एंटरटेनमेंट के साइक (हॉरर और पैरानॉर्मल जॉनर पर केंद्रित एक वर्टिकल) और लॉस एंजिल्स स्थित क्रिप्ट टीवी के बीच हुई पहली सहभागिता को चिह्नित करती है. क्रिप्ट टीवी– द लुक–सी, द बर्च, सनी फैमिली कल्ट और द थिंग इन द अपार्टमेंट जैसे शो के साथ डर का नया ब्रांड पेश करने के लिए मशहूर है.

# अमायरा दस्तूर ने बिकिनी में शेयर की तस्वीरें तो भड़क गए यूजर्स

बॉलिवुड के साथ–साथ साउथ की फिल्मों में धमाल मचा रहीं ऐक्ट्रेस अमायरा दस्तूर इस वक्त अपनी बिकिनी वाली तस्वीरों को लेकर चर्चा बटोर रही हैं। अमायरा ने हाल ही बिकिनी में अपनी तस्वीरें शेयर की हैं, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं।

अमायरा दस्तूर हाल ही अपने गर्ल गैंग के साथ एक ट्रिप पर गई थीं और वहां से उन्होंने ब्लू कलर की प्रिंटेड बिकिनी में तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में अमायरा बेहद ग्लैमरस और हॉट लग रही हैं।

अमायरा दस्तूर की इन तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर कुछ सोशल मीडिया हैंडल्स पर शेयर किया गया है। जहां फैन्स अमायरा की इन तस्वीरों की तारीफें कर रहे हैं तो वहीं कुछ यूजर्स इन्हें देख भड़क गए हैं और खूब आपत्तिजनक बातें बोल रहे हैं।

अमायरा दस्तूर इस वक्त तमिल फिल्म श्बघीराश् की शूटिंग कर रही हैं। फिल्म में उनके ऑपोजिट ऐक्टर प्रभुदेवा हैं। यह फिल्म साल 2022 में रिलीज होगी।

अमायरा दस्तूर ने 8 साल के करियर में 11–12 फिल्में और कुछ वेब सीरीज में काम किया है। एक इंटरव्यू में उन्होंने यह दावा कर चौंका दिया था कि बॉलिवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में उन्होंने भी हैरेसमेंट झेला है। लेकिन वह तब तक किसी पर उंगली नहीं उठाएंगी, जब तक कि उन्हें यह न लगे कि वह सेफ नहीं हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा था कि उन्होंने किसी कभी कास्टिंग काउच का सामना नहीं किया।

# महिलाएं वैक्सिंग, मैनीक्योर और पेडीक्योर करते वक्त इन बातों का रखें ध्यान

आज कल के जमाने में महिलाएं और युवतियां खूबसूरत दिखने के लिए फैशनेबल आउटफिट के साथ साथ वैक्सिंग, मैनीक्योर और पेडीक्योर करवाती हैं। हाथ पैरो को कोमल बनाने के लिए महिला वर्ग हर महीने पार्लर जाती हैं। कई बार छोटी गलती की वजह से स्किन पर इसका बुरा प्रभाव देखने को मिलता है। इसलिए चलिए जानते हैं वैक्सिंग, मैनीक्योर और पेडीक्योर करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

1. वैक्सिंग तभी करना चाहिए जब बालों की ग्रोथ आधा इंच से ज्यादा हो। छोटे बालों में वैक्स नहीं करवानी चाहिए। जल्दी जल्दी वैस्क नहीं करवानी चाहिए। महीने में एक बार वैक्स करवानी चाहिए।

2. वैक्सिंग करवाते से पहले और बाद में लोशन नहीं लगाना चाहिए। वैक्सिंग प्रोडक्ट का यूज अपनी स्किन टाइप के अनुसार करें।

3. पेडीक्योर करवाने के बाद अगर आपको दर्द या जलन होती है तो आप गर्म टॉवल का मदद से आराम पहुंचा सकते हैं। गर्म तौलिए को थोड़ी देर तक पैरों पर लपेट लें। इससे आपको आराम मिलेगा।

4. नाखून पर नेल पॉलिश लगाने से सबसे पहले अपने नाखूनों को साफ करें। नेल पॉलिश रिमूवर का इस्तेमाल कर नेल्स अच्छे से साफ कर लें। इससे आपकी नेल पॉलिश अच्छे से लग जाएंगी। 5. वैक्स हमेशा गर्म करके लगाई जाती हैं। ज्यादा गर्म करने से वैक्स जल जाती है जिससे स्किन जलने का डर बना रहता हैं। ऐसे में वैक्स को ज्यादा गर्म न करें। वैक्सिंग करने के बाद एंटीसेप्टिक क्रीम जरूर लगाएं। अगर आपकी स्किन पतली है तो आप ज्यादा ऑयली क्रीम ना लगाएं।